E PAPER

थिंक राजस्थान

सोच नई, राजस्थान के लिए

वर्ष: 01 | अंक: 32 | पृष्ठ: 8 | अंग्रेजी/हिन्दी (दैनिक) | जयपुर, शनिवार 15 अगस्त, 2026 | मूल्य: ₹10.00 | प्रभात | RNI NO. RJMUL/26/A4290

स्वतंत्रता दिवस 2026 : देश के इतिहास में पहली बार लाल किले की प्राचीर से गाया जाएगा वंदे मातरम

नई दिल्ली। देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से इतिहास में पहली बार राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' का पूर्ण स्वरूप प्रस्तुत किया जाएगा। गीत की रचना के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में होने वाले इस विशेष आयोजन में इसके सभी छह छंदों का गायन किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आयोजित समारोह में 'वंदे मातरम' का गायन राष्ट्रगान 'जन गण मन' से पहले होगा। अब तक स्वतंत्रता दिवस समारोहों में राष्ट्रगीत के शुरुआती दो पद ही प्रमुख रूप से प्रस्तुत किए जाते रहे हैं, लेकिन इस बार परंपरा से हटकर इसका लंबा और पूर्ण स्वरूप शामिल किया गया है। नए दिशा-निर्देशों के तहत राष्ट्रीय समारोहों में राष्ट्रगान से पहले राष्ट्रगीत के पूर्ण स्वरूप की प्रस्तुति को प्राथमिकता दी जाएगी। यह भव्य कार्यक्रम राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' की 150 साल पुरानी विरासत को याद करने के साथ ही 2047 तक देश को 'विकसित भारत' बनाने की यात्रा में 'युवा शक्ति' की ऊर्जा, आकांक्षाओं और अहम योगदान का जश्न मनाने के लिए आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान भारतीय वायुसेना के एमआई-17 हेलीकॉप्टर द्वारा पुष्प वर्षा की जाएगी और 'वंदे मातरम' अंकित विशेष ध्वज के साथ उड़ान भरी जाएगी। संसद ने हाल ही में राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक पारित किया, जो 'वंदे मातरम' को अपमान के कृत्यों से कानूनी सुरक्षा प्रदान करता है और राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' को राष्ट्रगान 'जन गण मन' के समान कानूनी स्थिति में रखता है। लोकसभा में डीएमके ने इस विधेयक विरोध किया, जिसने बाद में राजनीतिक विवाद का रूप ले लिया। डीएमके ने सरकार पर राष्ट्रीय गीत के जरिए 'देश को विभाजित' करने का आरोप लगाया। हालांकि, भाजपा ने संशोधन का बचाव किया और कहा कि इससे सुनिश्चित होगा कि भारतीय नागरिक बिना किसी बाधा के 'वंदे मातरम' के प्रति सम्मान प्रकट कर सकें। बता दें कि राष्ट्र गीत 'वंदे मातरम' बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने 7 नवंबर, 1875 को लिखा था। राष्ट्र गीत को भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरणा का एक महान स्रोत माना जाता है। रोचक बात यह है कि इस अमर गीत की रचना संस्कृत और बंगाली भाषा के मिश्रण में की गई थी। रचना के बाद सबसे पहले यह गीत 1882 में उनके प्रसिद्ध उपन्यास 'आनंदमठ' में प्रकाशित हुआ था। उपन्यास में यह गीत एक संन्यासी द्वारा गाया गया। स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम की बात करें तो लाल किले पर पहुंचने पर, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह प्रधानमंत्री का स्वागत करेंगे। रक्षा सचिव, प्रधानमंत्री को जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी), दिल्ली एरिया, लेफ्टिनेंट जनरल राजेश सेठी से मिलवाएंगे। इसके बाद जीओसी, दिल्ली एरिया प्रधानमंत्री को 'सैल्यूटिंग बेस' तक ले जाएंगे, जहां इंटर-सर्विसेज और दिल्ली पुलिस का संयुक्त गार्ड प्रधानमंत्री को 'जनरल सैल्यूट' देगा। इसके बाद, प्रधानमंत्री 'गार्ड ऑफ ऑनर' का निरीक्षण करेंगे। प्रधानमंत्री के लिए 'गार्ड ऑफ ऑनर' दल में सेना, नौसेना, वायु सेना और दिल्ली पुलिस से एक-एक अधिकारी और 24-24 जवान शामिल होंगे। दिल्ली पुलिस के दल की कमान एडिशनल डीसीपी विनीत कुमार संभालेंगे।

किसी दुस्साहस पर पाकिस्तान दुनिया के नक्शे से मिट जाएगा, भारत ने सिंधु जल संधि पर दी कड़ी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली। पाकिस्तान की ओर से सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) को लेकर दी गई कथित धमकी पर भारत में राजनीतिक दलों के नेताओं ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि पाकिस्तान ने कोई दुस्साहस किया तो उसे इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी और वह "दुनिया के नक्शे से मिट जाएगा।" यह प्रतिक्रिया पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने सिंधु जल के मुद्दे को देश की "रेड लाइन" बताते हुए कहा कि पाकिस्तान इस मामले में कोई समझौता नहीं करेगा। भारत का स्पष्ट रुख रहा है कि जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को पूरी तरह बंद नहीं करता, तब तक सिंधु जल संधि को स्थगित रखा जाएगा। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने इस मुद्दे पर आईएएनएस से कहा कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों के अनुसार काम करता है और अपने हितों की मजबूती से रक्षा करता है। उन्होंने कहा, "दुनिया में चाहे कोई भी ताकत हो, पाकिस्तान की हैसियत ही क्या है? हम अपने हित में काम करते हैं और अपने हितों की दृढ़ता से रक्षा करते हैं।" उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर पूरा देश केंद्र सरकार और भारतीय सशस्त्र बलों के साथ मजबूती से खड़ा है।

लालकिले से वंदे मातरम की 150 साल पुरानी विरासत को सलामी, 2500 कैडेटों ने बनाई विशाल आकृति

नई दिल्ली। 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिल्ली स्थित लालकिले से एक नया इतिहास रचा गया है। स्वतंत्रता दिवस के भव्य कार्यक्रम में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' की 150 साल पुरानी विरासत को याद किया जा रहा है। लालकिले की प्राचीर के सामने ज्ञानपथ पर 'वंदे मातरम' की आकृति बनाई गई। सेना, नौसेना और वायुसेना के कैडेटों के अलावा 'मेरा भारत' के स्वयंसेवकों समेत कुल 2,500 लड़के और लड़कियों ने मिलकर यह आकृति बनाई है। वहीं, समारोह की थीम 'विकसित भारत @2047' को प्रदर्शित करने के लिए भी ज्ञानपथ पर विशेष दृश्य अवरोधक भी लगाए गए हैं। स्वतंत्रता दिवस समारोह में पहली बार लालकिले पर राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' औपचारिक रूप से गाया जाएगा, जो इसकी लंबे समय से चली आ रही विरासत के 150 साल पूरे होने का जश्न होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लालकिले से 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह का नेतृत्व कर रहे हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने लालकिले प्रांगण में पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। इसके पश्चात दिल्ली क्षेत्र के जीओसी प्रधानमंत्री को सलामी मंच तक लेकर गए, जहां पर तीनों सेनाओं और दिल्ली पुलिस के संयुक्त दल की ओर से प्रधानमंत्री को 'जनरल सैल्यूट' दिया गया। इसके बाद प्रधानमंत्री ने 'गार्ड ऑफ ऑनर' का निरीक्षण किया। कैप्टन सोनिया सिंह चौहान प्रधानमंत्री मोदी को राष्ट्रीय ध्वज फहराने में सहायता करेंगी।

सीबीआई का बड़ा एक्शन : उत्तर पश्चिम रेलवे के 5 अधिकारियों सहित 7 गिरफ्तार

जयपुर/बीकानेर। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) ने उत्तर पश्चिम रेलवे (NWR) में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग मामलों में पांच रेलवे अधिकारियों और दो निजी कंपनी कर्मचारियों सहित कुल 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई 13 अगस्त 2026 को ट्रैप ऑपरेशन के दौरान की गई।

पहला मामला : उत्तर पश्चिम रेलवे (जयपुर मुख्यालय) सीबीआई ने 13 अगस्त 2026 को एनडब्ल्यूआर जयपुर के कार्यालय अधीक्षक के खिलाफ मामला दर्ज किया था। आरोप था कि रेलवे के तहत काम कर रही नवी मुंबई (महाराष्ट्र) की एक निजी कंपनी के बिलों को पास कराने और अनुकूल प्रक्रिया अपनाने की एवज में रिश्वत की मांग की जा रही थी। ट्रैप व बरामदगी: सीबीआई ने ट्रैप के दौरान 1.46 लाख की रिश्वत लेते हुए आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ा। सर्च ऑपरेशन: जयपुर और दिल्ली में विभिन्न ठिकानों पर की गई तलाशी में 9 लाख नकद, कई आपत्तिजनक दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए गए। गिरफ्तार आरोपी : संगीता कुमारी (कार्यालय अधीक्षक, एनडब्ल्यूआर, जयपुर), एस.एन. बैरवा (सहायक वित्तीय सलाहकार / AFA, एनडब्ल्यूआर, जयपुर), सुनील कुमार संघी (वरिष्ठ अनुभाग अधिकारी / Sr. SO, एनडब्ल्यूआर, जयपुर), गौरव गुप्ता (कर्मचारी, मैसर्स दिनेश इंजीनियर्स लिमिटेड - DEPL, नवी मुंबई)।

दूसरा मामला : उत्तर पश्चिम रेलवे (बीकानेर मंडल) दूसरा मामला एनडब्ल्यूआर बीकानेर मंडल में कोलकाता की एक निजी कंपनी के निष्पादित कार्यों के बिलों के भुगतान की एवज में रिश्वत मांगने और लेने से संबंधित है। ट्रैप व बरामदगी: सीबीआई टीम ने योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाकर 1.20 लाख की रिश्वत राशि के साथ अधिकारियों व कर्मचारी को गिरफ्तार किया। सर्च ऑपरेशन: बीकानेर और जयपुर में कई ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाकर महत्वपूर्ण दस्तावेज और डिजिटल उपकरण जब्त किए गए।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर रक्षा मंत्री ने सैनिकों के नाम जारी किया संदेश, त्याग, लगन और धैर्य से देश की सेवा में जुटे

नई दिल्ली। देशवासी शनिवार (15 अगस्त) को 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाएंगे। इसके ठीक एक दिन पहले यानी शुक्रवार (14 अगस्त) को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देश के वीर जवानों को संबोधित करते हुए एक संदेश जारी किया है। उन्होंने सभी सैनिकों और मिलिट्री अधिकारियों को शुभकामनाएं दी हैं। आगे राजनाथ ने कहा मैं उन परिवारों का भी बहुत शुक्रिया अदा करता हूं, जिनके त्याग और धैर्य की वजह से हमारे सैनिक इतनी अटूट लगन के साथ मातृभूमि की सेवा कर पाते हैं। विरासत में मिली आजादी हमारे सशस्त्र बलों के मजबूत कंधों पर है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, 79 साल पहले, हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने अथक संघर्ष, त्याग और बलिदान के बल पर हमें आजादी का अमूल्य उपहार दिया था। महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, सरोजिनी नायडू और अनगिनत वीरों के बलिदान ने एक स्वतंत्र भारत की नींव रखी। उसके बाद से ही उस विरासत को सुरक्षित रखने और भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करने की जिम्मेदारी हमारे सशस्त्र बलों के मजबूत कंधों पर है। उन्होंने कहा, आपका अनुशासन, साहस, समर्पण और देश के प्रति अटूट निष्ठा हर भारतीय के लिए गर्व और प्रेरणा का स्रोत है। विपरीत परिस्थितियों में भी आपका अडिग संकल्प यह सुनिश्चित करता है कि देश का प्रत्येक नागरिक सुरक्षित वातावरण में अपने सपने को पूरा कर सके। देश आपकी अद्वितीय सेवा, त्याग और समर्पण के लिए सदैव आपका कर्जदार रहेगा। उन्होंने कहा, 'देश के रक्षा मंत्री के रूप में समय-समय पर आप सभी से मिलता ही रहता हूं, लेकिन स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर आप सभी के साथ कुछ बातें साझा करना हमेशा एक अलग अनुभव होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस दिन हम अपनी सशस्त्र सेनाओं की किसी एक युनिट के बारे में ही बात नहीं कर रहे होते हैं, बल्कि हम भारत के डिफेंस सेक्टर के विकास को होलिस्टिक नजरिए से देख रहे होते हैं।' उन्होंने कहा, एक राष्ट्र के रूप में भारत ने आजादी के इन 80 सालों में जो प्रगति की है, वो अपने आप में एक प्रेरक गाथा है, लेकिन यह कहानी तब और सुखद हो जाती है, जब हम इसमें भारत के रक्षा क्षेत्र की यात्रा को देखते हैं।

1947 से लेकर आज तक हमारे रक्षा क्षेत्र ने अभूतपूर्व प्रगति की है और हम सभी इसके साक्षी हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद से भारत के रक्षा क्षेत्र ने लंबा सफर तय किया है। शुरुआती वर्षों में देश को रक्षा उपकरणों और तकनीकी जरूरतों के लिए बड़ी हद तक दूसरे देशों पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन समय के साथ भारत ने अपनी क्षमताओं का विस्तार किया और रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में लगातार कदम बढ़ाए। देश में तैयार किए जा रहे रक्षा उपकरणों से न केवल सेनाओं की जरूरतें पूरी हो रही हैं, बल्कि भारत की तकनीकी क्षमता को भी वैश्विक स्तर पर पहचान मिल रही है।

78 गैलेंट्री अवॉर्ड का ऐलान, जवानों के साहस को सलाम

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्वतंत्रता दिवस 2026 की पूर्व संध्या पर सेना और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के जवानों की बहादुरी के लिए 78 वीरता पुरस्कारों को मंजूरी दी है। इस लिस्ट में 13 ऐसे पुरस्कार शामिल हैं जो साहसी जवानों को मरणोपरांत दिए जाएंगे। इन जवानों ने ड्यूटी के दौरान अपने प्राण न्योछावर कर दिए। राष्ट्रपति की तरफ से मंजूर किए गए पुरस्कारों में थल सेना, इंडियन नेवी और इंडियन एयरफोर्स के साथ-साथ केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के जवानों के लिए भी सम्मान शामिल है। रक्षा मंत्रालय ने 80वें स्वतंत्रता दिवस से पहले यह ऐलान किया है। बता दें कि इन 78 वीरता पुरस्कारों में 9 कीर्ति चक्र, 19 शौर्य चक्र, 5 'बार' और 36 सेना मेडल (वीरता), तीन नौसेना मेडल (वीरता) और पांच वायु सेना मेडल (वीरता) शामिल हैं। इसमें ऐसे भी जवान शामिल हैं, जिन्हें फिर से इन पुरस्कारों से सम्मानित किया जा रहा है। कुल पुरस्कारों में से 7 कीर्ति चक्र, 1 शौर्य चक्र और 5 सेना मेडल (वीरता) मरणोपरांत दिए जाएंगे।

जयपुर 12वीं के छात्र प्रिंस की पैटी खाने से मौत, परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगाकर किया विरोध

जयपुर। झोटवाड़ा स्थित महाराणा प्रताप सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 12वीं कक्षा के छात्र प्रिंस की पैटी खाने के बाद हुई मौत को लेकर परिवार और छात्रों ने शुक्रवार को स्कूल के बाहर विरोध-प्रदर्शन किया। परिजनों का आरोप है कि स्कूल प्रशासन ने समय पर सूचना नहीं दी और इलाज में लापरवाही बरती गई। प्रिंस के पिता अमित सोनू ने बताया कि बेटा सुबह हंसते-खेलते स्कूल गया था। करीब 11:30 से 12 बजे के बीच स्कूल से फोन आया कि बच्चा बीमार है, तुरंत आ जाइए। फोन पर कहा गया कि हो सके तो चार पहिया गाड़ी से आएं। जब उन्होंने पूछा कि हुआ क्या है तो कोई जानकारी नहीं दी गई। पिता ने आगे कहा, 'जब तक मैं वहां पहुंचा तब तक कम से कम 40 से 45 मिनट बीत चुके थे। आपने जो हुआ उसके वीडियो देखे ही होंगे। उसका शरीर ठंडा पड़ गया था और सांसें थम गई थी।' प्रिंस की मां ने बताया कि जब वह स्कूल पहुंची तो सिक्योरिटी गार्ड ने उन्हें अंदर जाने दिया। वह सीधे ऑफिस गईं। वहां एक टीचर काम कर रहा था। प्रिंस के बारे में पूछने पर बताया गया कि वह वहीं है। मां के अनुसार ऑफिस के दरवाजे पर पर्दा लगा था। अंदर कई टीचर और दो महिलाएं सोफे के पास खड़ी थीं। खिड़की पर भी पर्दा लगा था और पंखा धीरे चल रहा था, कमरे में बहुत गर्मी थी। मां ने रोते हुए कहा, 'मैंने पूछा मेरा प्रिंस कहां है? टीचर ने पूछा, 'क्या आप प्रिंस की मां हैं?' मैंने हां कहा। जब टीचर एक तरफ हटा तो मुझे सोफे पर प्रिंस के पैर दिखाई दिए। पास गई तो देखा उसका शरीर नीला पड़ चुका था, हाथ ठंडे थे, आंखें नीली हो गई थीं। मैं जल्दी से बच्चे के पास गई और उसे उठाने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं उठा।' इसके बाद परिजन तुरंत प्रिंस को अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने बताया कि अगर उसे समय पर लाया गया होता तो शायद वह बच जाता। प्रिंस के एक सहपाठी ने बताया कि लंच के समय उसने कैंटीन से पैटी खाई थी। खाली पेट जल्दी-जल्दी खाने के कारण वह गले में फंस गई। उसने पानी भी पिया लेकिन पैटी बाहर नहीं निकली। घटना की जानकारी मिलते ही स्कूल के बाहर परिवार के सदस्य और छात्र जमा हो गए और प्रशासन से कार्रवाई की मांग करने लगे। इस मामले पर भाजपा विधायक बालमुकुंद आचार्य ने कहा, 'यह बहुत दुखद घटना है। मैं पूरे सोनी परिवार को भरोसा दिलाता हूं कि मौत की असली वजह पता लगाने के लिए पूरी जांच की जाएगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार और प्रशासन दुख की घड़ी में परिवार के साथ खड़े हैं।'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सादुलशहर में आयोजित तिरंगा यात्रा में हुए शामिल

श्रीगंगानगर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार को सादुलशहर में आयोजित तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने देशभक्ति के नारों की गूंज के बीच हाथ में तिरंगा थामकर अंबेडकर सर्किल से अरूट चौक तक तिरंगा यात्रा में भागीदारी की। इससे पहले जनसभा को संबोधित करते मुख्यमंत्री ने कहा कि तिरंगा यात्राओं में नागरिकों का जोश और जुनून इस बात का प्रमाण है कि तिरंगा हमारे दिलों में बसता है। साथ ही, यह हमारे गौरव और राष्ट्रीय चेतना की विरासत और पहचान है। जो हमें स्वतंत्रता और उससे जुड़े इतिहास को याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत आयोजित हो रही तिरंगा यात्राओं से नई पीढ़ी में राष्ट्रभक्ति की भावना तथा राष्ट्र सेवा और राष्ट्र प्रथम के संकल्प को मजबूती मिल रही है। उन्होंने कहा कि तिरंगे के साथ राजस्थान का गहरा संबंध है। आजाद भारत में फहराया गया पहला तिरंगा प्रदेश में बना था। दौसा के आलूदा गांव के बुनकरों ने उस तिरंगे के लिए खादी का कपड़ा बुना और गोविंदगढ़ में इसे रंगकर तिरंगे का रूप दिया गया था। इस वर्ष का अभियान राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्षों पूरे होने की भावना को समर्पित है। देश के विभाजन की त्रासदी से लाखों लोग प्रभावित हुए थे।

80वें स्वतंत्रता दिवस पर PM मोदी लाल किले से देंगे संदेश, जानिए इस बार क्या-क्या होगा खास

नई दिल्ली। देश शनिवार को अपना 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार 13वीं बार दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले की प्राचीर से देश को संबोधित करेंगे। इस बार स्वतंत्रता दिवस समारोह में 'विकसित भारत 2047', युवा शक्ति और 'वंदे मातरम्' के 150 साल के सफर पर खास फोकस रहेगा।

लाल किले पर होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह में पहली बार 'वंदे मातरम्' का विशेष रूप से गायन किया जाएगा।

समारोह की शुरुआत पारंपरिक सैन्य सम्मान के साथ होगी।

प्रधानमंत्री के लाल किले पहुंचने पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह उनका स्वागत करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री को दिल्ली एरिया के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल राजेश सेठी से मिलवाया जाएगा।

संपादकीय

ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन के अभियान फुट्सल फॉर ऑल डे के तहत फुट्सल टूर्नामेंट 2026 (नाइट टूर्नामेंट) का शुभारंभपहले दिन गोलों की हुई जमकर बारिश

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। बीकानेर फुटबॉल क्लब के तत्वावधान में "फुट्सल फॉर ऑल डे 2026 फुट्सल टूर्नामेंट (नाइट टूर्नामेंट)" का शुभारंभ 13 अगस्त 2026 की डगआउट एस्ट्रो टर्फ, सागर, बीकानेर में उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ। प्रतियोगिता का आयोजन फुट्सल खेल को बढ़ावा देने तथा खिलाड़ियों को बेहतर प्रतिस्पर्धात्मक मंच उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि क्रीड़ा भारती के उपाध्यक्ष दानवीर सिंह भाटी रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि फुटबॉल कोच तरुण कुमार उपस्थित रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया और खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। पहले दिन खेले गए मुकाबलों में बीकानेर फुटबॉल क्लब ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्रिंदावन एफसी (बी) को 10-3 से हराया। दूसरे मुकाबले में फ्रेंड्स एफसी और एसपीएमसी के बीच मुकाबला 2-2 से बराबरी पर रहा। टाई ब्रेकर में फ्रेंड्स एफसी ने 2-1 से जीत दर्ज की। तीसरे मुकाबले में एमबीसी ने आयरन एफसी को 4-0 से हराया। चौथे मुकाबले में ब्रिंदावन एफसी (ए) ने उबर्स एफसी को 8-2 से शिकस्त दी। दिन के अंतिम मुकाबले में राजस्थान पुलिस ने सुपर सेवन को 6-2 से हराकर जीत दर्ज की। प्रतियोगिता के पहले दिन खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। मुकाबलों को देखने के लिए बड़ी संख्या में फुट्सल प्रेमी और खेलप्रेमी डगआउट एस्ट्रो टर्फ पहुंचे। आगामी दिनों में भी प्रतियोगिता के तहत रोमांचक मुकाबले खेले जाएंगे। उद्घाटन में देवेंद्र सिंह भाटी, कार्तिक पालीवाल, राहुल ओझा, राजेंद्र सिंह राठौड़, गौतम ओझा, यशवर्द्धन राजपुरोहित आदि मौजूद रहे। उद्घाटन मुकाबलों के बाद प्रतियोगिता में खिलाड़ियों और टीमों के बीच आगे के चरण में पहुंचने को लेकर प्रतिस्पर्धा और तेज होने की उम्मीद है। रात के समय आयोजित हो रहे इन मुकाबलों के कारण खेलप्रेमियों में भी खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। कृत्रिम मैदान पर रोशनी के बीच खेले जा रहे मुकाबले खिलाड़ियों को

तेज गति और कौशल आधारित फुट्सल का बेहतर अनुभव प्रदान कर रहे हैं।

आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिता का उद्देश्य केवल प्रतिस्पर्धा तक सीमित नहीं है, बल्कि स्थानीय स्तर पर फुट्सल को लोकप्रिय बनाना और अधिक से अधिक युवाओं को इस खेल से जोड़ना भी है। फुट्सल के छोटे मैदान और तेज गति वाले खेल प्रारूप के कारण खिलाड़ियों को कम समय में बेहतर निर्णय लेने, सटीक पास देने और तेजी से आक्रमण तथा बचाव करने की क्षमता विकसित करने का अवसर मिलता है। पहले दिन के मुकाबलों में बीकानेर फुटबॉल क्लब ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए शानदार जीत दर्ज की।

टीम ने पूरे मुकाबले के दौरान लगातार दबाव बनाए रखा और बड़ी जीत हासिल कर प्रतियोगिता में मजबूत शुरुआत की। वहीं अन्य मुकाबलों में भी खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। फ्रेंड्स एफसी और एसपीएमसी के बीच मुकाबला निर्धारित समय में बराबरी पर समाप्त होने के बाद टाई ब्रेकर तक पहुंचा।

टाई ब्रेकर में फ्रेंड्स एफसी ने संयम बनाए रखते हुए मुकाबला अपने नाम किया। इस मुकाबले ने मैदान पर मौजूद दर्शकों का उत्साह भी बढ़ाया। एमबीसी ने अपने मुकाबले में आयरन एफसी के खिलाफ शुरुआत से ही नियंत्रण बनाए रखा और बिना कोई गोल खाए जीत दर्ज की।

लूणकरणसर में श्रद्धा के साथ मनाई गई वीर दुर्गादास राठौड़ की 388वीं जयंती

एजेंसी, थिंक राजस्थान

लूणकरणसर। श्री क्षत्रिय युवक संघ के तत्वावधान में श्री करणी क्षत्रिय सेवा संस्थान, लूणकरणसर में वीर दुर्गादास राठौड़ की 388वीं जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने वीर दुर्गादास राठौड़ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर एवं पुष्प अर्पित कर किया। कार्यक्रम में श्री क्षत्रिय युवक संघ के वरिष्ठ संघ सेवक भागीरथ सिंह सेरुणा ने श्री तनसिंह जी द्वारा रचित सहगीत "ओ मेरे दुर्गादास लौट के आजा" का भावपूर्ण गायन प्रस्तुत किया। जुगल सिंह बेलासर ने कार्यक्रम की भूमिका रखते हुए महापुरुषों की जयंती मनाने के उद्देश्य एवं महत्ता पर प्रकाश डाला।

कोमल कँवर राठौड़ और राजेंद्र सिंह देथा ने वीर दुर्गादास राठौड़ के जीवन परिचय तथा राष्ट्र सेवा में उनके योगदान पर विचार व्यक्त किए। संघ के प्रांत प्रमुख रेवंत सिंह जाखासर ने श्री क्षत्रिय युवक संघ का परिचय देते हुए उसके कार्यों, शिविरों तथा वर्तमान समय में संघ की आवश्यकता पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में सोढवाली, किस्तुरिया, मक्कड़ासर, बिंझरवाली, मुसलकी, दुलमेरा, जाखड़वाला, उत्तमदेसर, कागासर, ढाणी पाण्डुसर, कांकड़वाला, सुई, गारबदेसर तथा लूणकरणसर सहित अनेक गांवों से बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, युवा, बच्चे एवं मातृशक्ति उपस्थित रही।

नगर निगम जयपुर सतर्कता शाखा की कार्रवाई

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। नगर निगम जयपुर आयुक्त ओम कसेरा के निर्देशानुसार शहर में अस्थायी अतिक्रमण के खिलाफ सतर्कता शाखा की टीम ने शुक्रवार को विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई की। उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में की गई कार्रवाई के दौरान 1,500 रुपये कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा अतिक्रमण में इस्तेमाल किया जा रहा सामान 4 कैंटर में जब्त कर निगम के गोदाम में भिजवाया गया। नगर निगम की टीम ने रामपुरा फाटक, महेश नगर, बैरवा बस्ती झोटवाड़ा पुलिया के पास, मंगलम चौराहा कालवाड़ रोड तथा सिरसी गांव सहित विभिन्न स्थानों पर अस्थायी अतिक्रमण हटाया। कार्रवाई के दौरान सड़क एवं सार्वजनिक स्थानों पर किए गए अस्थायी अतिक्रमण को हटाते हुए संबंधित सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि कार्रवाई के दौरान अतिक्रमणकारियों से मौके पर 1,500 रुपये का कैरिंग चार्ज वसूला गया। जब्त सामान को नगर निगम के गोदाम में पहुंचाया गया।

सभी 104 जननी एम्बुलेंस में प्रसव किट अनिवार्य रूप से उपलब्ध रखने के निर्देश

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, मौसमी बीमारियों की रोकथाम, टीबी मुक्त भारत अभियान तथा 104 जननी एम्बुलेंस सेवा सहित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। राठौड़ ने मातृ मृत्यु के प्रकरणों की जिलेवार समीक्षा करते हुए संबंधित अधीक्षक, ट्रीटिंग डॉक्टर एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से जानकारी ली। कोटा में हुई एक मातृ मृत्यु के मामले में समुचित जांच नहीं किए जाने को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने संबंधित एएनएम को निलम्बित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रसूता अथवा अन्य मरीज के उपचार के दौरान परिजनों को स्थिति की पूरी जानकारी दी जाए तथा आवश्यकता होने पर उनकी समुचित काउंसलिंग भी की जाए। प्रमुख शासन सचिव ने मातृ स्वास्थ्य सेवाओं की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए निदेशालय में पदस्थापित सभी चिकित्सकों को ब्लॉक आवंटित कर जिम्मेदारी निर्धारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण प्रसव पूर्व जांच, सुदृढ़ रेफरल व्यवस्था और स्टैंडर्ड प्रोटोकॉल की प्रभावी पालना सुनिश्चित करने पर जोर दिया। चिकित्साधिकारी प्रभारी एवं एएनएम की सेवाओं में सुधार के लिए नियमित समीक्षा एवं आमुखीकरण बैठकें आयोजित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि आगामी 15 दिनों में संभावित प्रसव वाली उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। उनकी आवश्यक जांच समय पर करवाने तथा जरूरत के अनुसार अस्पताल में भर्ती कर समुचित उपचार उपलब्ध करवाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने मौसमी बीमारियों की रोकथाम एवं बचाव गतिविधियों की समीक्षा करते हुए उपस्वास्थ्य केन्द्र स्तर तक आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

नेशनल चिल्ड्रन साइंस कांग्रेस-2026 के लिए ऑनलाइन पंजीकरण 15 अगस्त तक

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। जिला शिक्षा अधिकारियों (मुख्यालय) माध्यमिक शिक्षा बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, सीकर, झुंझुनूं, डीडवाना-कुचामन एवं नागौर को नेशनल चिल्ड्रन साइंस कांग्रेस-2026 (NCSC-26) में विद्यार्थियों के ऑनलाइन पंजीकरण सुनिश्चित कराने के निर्देश जारी किए गए हैं। यह कार्यक्रम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार की फ्लैगशिप गतिविधि है, जिसका उद्देश्य 10 से 17 वर्ष आयु वर्ग के विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, नवाचार एवं अनुसंधान की भावना विकसित करना है।

इसमें 10-14 वर्ष आयु वर्ग के विद्यार्थी जूनियर तथा 14-17 वर्ष आयु वर्ग के विद्यार्थी सीनियर श्रेणी में भाग ले सकेंगे। वर्ष 2026-27 के लिए प्रतियोगिता का विषय "सतत विकास के लिए विज्ञान और नवाचार" निर्धारित किया गया है। विद्यार्थियों को दो-दो के समूह में किसी स्थानीय सामाजिक समस्या का चयन कर वैज्ञानिक पद्धति, सर्वेक्षण, अवलोकन और प्रयोगों के माध्यम से उसके समाधान पर कार्य करना होगा।

वन राज्यमंत्री श्री संजय शर्मा ने तिरंगा रैली में शामिल होकर दिया राष्ट्रप्रेम एवं एकता का संदेश

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री संजय शर्मा ने शुक्रवार को स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में हर घर तिरंगा अभियान के तहत अलवर जिले के जगन्नाथ मंदिर से शहीद स्मारक तक सर्वसमाज द्वारा आयोजित तिरंगा रैली सम्मिलित होकर तिरंगा ध्वज के साथ एकता, बंधुता व देशभक्ति का संदेश दिया। वन राज्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि स्वाधीनता दिवस प्रत्येक भारतवासी के लिए गौरव का प्रतीक है। इसको हर्षोल्लास से मनाने एवं जन-जन को राष्ट्रीय पर्व के समारोह से जोड़ने के उद्देश्य से देशभर में हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत जन सहभागिता से तिरंगा यात्रा, तिरंगा शपथ आदि कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपने घरों पर तिरंगा लगाने की अपील करते हुए कहा कि तिरंगा हमारे देश की एकता, अखंडता, और विविधता का प्रतीक है और हर भारतीय का कर्तव्य है कि वह इस सम्मान को बनाए रखे। रैली के दौरान बड़ी संख्या में शहरवासी हाथों में तिरंगा लेकर शामिल हुए। विभिन्न वर्गों और समुदायों के लोगों की सहभागिता ने आयोजन को सर्वसमाज की एकजुटता का स्वरूप दिया। देशभक्ति के नारों के बीच तिरंगा यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होकर शहीद स्मारक तक पहुंची, जहां प्रतिभागियों ने देश की स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने वाले वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री संजय शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय पर्वों का महत्व तभी और बढ़ जाता है, जब समाज का प्रत्येक वर्ग उनमें सक्रिय भागीदारी निभाए। तिरंगा यात्रा जैसे आयोजन लोगों को स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास और देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीरों की स्मृति से जोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि आजादी लंबे संघर्ष और असंख्य बलिदानों के बाद प्राप्त हुई है। स्वतंत्रता सेनानियों ने जिस भारत का सपना देखा था, उसे मजबूत और विकसित राष्ट्र बनाने की जिम्मेदारी वर्तमान पीढ़ी की है। देश की एकता, अखंडता और सामाजिक सौहार्द को बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लिए युवा पूरे उत्साह के साथ यात्रा में शामिल हुए और देशभक्ति के नारों से वातावरण को राष्ट्रप्रेम की भावना से भर दिया।

43वीं सब जूनियर नेहरू हॉकी प्रतियोगिता 18 अगस्त से, राज्य स्तरीय मुकाबले जालोर में

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। शिक्षा विभाग ने सत्र 2026-27 की 43वीं सब जूनियर (15 वर्ष छात्र) नेहरू हॉकी प्रतियोगिता के आयोजन संबंधी दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। प्रतियोगिता का जिला स्तरीय आयोजन 18 से 19 अगस्त 2026 तक, राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 25 से 27 अगस्त 2026 तक तथा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता 21 से 31 अक्टूबर 2026 तक आयोजित की जाएगी। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन सनराईज पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बिशनगढ़ (जालोर) में होगा। निर्देशों के अनुसार जिला स्तर पर विजेता टीम ही राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग ले सकेगी तथा जिला स्तर पर खेलने वाले वही खिलाड़ी राज्य स्तर पर भी पात्र होंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए खिलाड़ी की आयु 15 वर्ष या उससे कम होनी चाहिए। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भागीदारी के लिए जिला स्तर पर न्यूनतम चार टीमों का खेलना आवश्यक होगा।

उदयपुर के आश्रम में 10 साल की मासूम से दुष्कर्म : संचालिका का भाई करता था शोषण, पूर्व शिक्षक की सजगता से हुआ खुलासा

एजेंसी, थिंक राजस्थान

उदयपुर। झीलों की नगरी उदयपुर में एक आश्रम में मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। आश्रम में रह रही 10 वर्षीय अनाथ-असहाय बालिका के साथ आश्रम संचालिका के भाई द्वारा दुष्कर्म और निरंतर यौन शोषण किए जाने का मामला उजागर हुआ है। बच्ची द्वारा संचालिका से शिकायत करने के बावजूद आरोपी पर कार्रवाई करने के बजाय मासूम को चुप करा दिया गया। बाल कल्याण समिति (CWC) की दखल के बाद पीड़िता को सुरक्षित रेस्क्यू कर राजकीय बालिका गृह में आश्रय दिलवाया गया है और पुलिस ने पॉक्सो (POCSO) व दुष्कर्म की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बच्ची की मां का कुछ वर्ष पूर्व निधन हो चुका था और पिता शराब का आदी होने के कारण करीब 6 माह पहले बच्ची को आश्रम में अकेला छोड़कर चला गया था। इसके बाद पिता ने कभी सुध नहीं ली।

रोते हुए सुनाई आपबीतीः बच्ची को पूर्व में पढ़ाने वाले एक शिक्षक कभी-कभार उससे मिलने और जरूरी सामान देने आश्रम आते थे। 5 अगस्त को जब शिक्षक मिलने पहुंचे, तो बच्ची फूट-फूट कर रोने लगी और अपने साथ हो रहे यौन शोषण की जानकारी दी। चाइल्ड हेल्पलाइन को सूचनाः शिक्षक ने तत्परता दिखाते हुए तत्काल चाइल्ड हेल्पलाइन को सूचित किया।

6 अगस्त को रेस्क्यूः चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम ने 6 अगस्त को बालिका को आश्रम से रेस्क्यू किया और बाल कल्याण समिति (CWC) के समक्ष प्रस्तुत किया, जिसके बाद उसे राजकीय बालिका गृह भेजा गया। सीडब्ल्यूसी (CWC) अध्यक्ष यशोदा पणिहार ने बताया कि काउंसलिंग के दौरान बालिका बेहद डरी और सहमी हुई थी। उसने बिलखते हुए गुहार लगाई कि उसे वापस उस आश्रम में न भेजा जाए। आरोपी अकेला पाकर उसके साथ घिनौनी हरकतें करता था।

स्वाधीनता दिवस की पूर्व संध्या पर अल्बर्ट हॉल के सामने हुआ आर्मी बैण्ड वादन

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। स्वाधीनता दिवस की पूर्व संध्या पर शुक्रवार को जयपुर स्थित अल्बर्ट हॉल के सामने 13वीं ग्रेनेडियर गंगा जैसलमेर सिम्फनी आर्मी बैण्ड द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बैण्ड ने देशभक्ति से ओत-प्रोत मधुर एवं मनमोहक धुनों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुत देशभक्ति की धुनों 'जो शहीद हुए है उनकी जरा याद करो कुर्बानी.', 'जहाँ डाल-डाल पर सोने की चिड़िया करती है बसेरा.. वो भारत देश है मेरा..', 'सारे जहाँ से अच्छा हिंदुस्तान हमारा..' ने वातावरण को राष्ट्रप्रेम और उत्साह से भर दिया। अल्बर्ट हॉल के समक्ष उपस्थित आमजन ने आर्मी बैण्ड की प्रस्तुतियों का आनंद लिया, साथ ही जय हिन्द और भारत माता की जय के नारों से आयोजन का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। स्वाधीनता दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित इस कार्यक्रम ने आमजन में राष्ट्र के प्रति गौरव एवं देशभक्ति की भावना को और मजबूत किया। कार्यक्रम के माध्यम से स्वतंत्रता सेनानियों एवं देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीरों के प्रति सम्मान की भावना भी अभिव्यक्त हुई। कार्यक्रम के दौरान अल्बर्ट हॉल के सामने बड़ी संख्या में शहरवासी एकत्रित हुए और उन्होंने सेना के वाद्यवृंद की प्रस्तुतियों को पूरे उत्साह के साथ सुना। जैसे-जैसे देशभक्ति से जुड़ी धुनें गूंजती गईं, वहां मौजूद लोगों में राष्ट्रप्रेम की भावना और गहरी होती गई। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने प्रस्तुतियों का आनंद लिया और कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। स्वाधीनता दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित इस कार्यक्रम ने आमजन में राष्ट्र के प्रति गौरव एवं देशभक्ति की भावना को और मजबूत किया। कार्यक्रम के माध्यम से स्वतंत्रता सेनानियों एवं देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीरों के प्रति सम्मान की भावना भी अभिव्यक्त हुई।

महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण का बनेगा नया मंच : 17 अगस्त को कोटा में होगा महिला सुरक्षा संकल्प संवाद

एजेंसी, थिंक राजस्थान

जयपुर/कोटा। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की दिशा में कोटा शहर पुलिस ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। शहर पुलिस द्वारा 'सुरक्षा संवाद 2.0' जन-जागरूकता अभियान के तहत आगामी 17 अगस्त 2026 को 'महिला सुरक्षा संकल्प संवाद' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जा रहा है। कोटा शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि यह कार्यक्रम कोटा शहर पुलिस और 'ब्लू डॉट डायलॉग' संस्था के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा हैः

समय व स्थानः मुख्य आयोजन 17 अगस्त को प्रातः 11:30 बजे बोरखेड़ा स्थित कोरल पार्क के एलन सुहास सभागार में होगा।

मुख्य अतिथिः लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे और उपस्थित महिलाओं व नागरिकों को संबोधित करेंगे। विशिष्ट उपस्थितिः इस अवसर पर राजस्थान पुलिस के महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा की भी गरिमामयी मौजूदगी रहेगी। कार्यक्रम के आधिकारिक पोस्टर का विमोचन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम सहित पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

पोस्टर विमोचन के अवसर पर ओम बिरला ने संदेश देते हुए कहाः 'आइए, मिलकर एक मजबूत सुरक्षाबंधन बनाएं और इस बार सुरक्षा, सम्मान व सशक्तिकरण का संकल्प लें।' इस आयोजन का मूल ध्येय वाक्य 'जागरूकता से सुरक्षा, संवाद से सशक्तिकरण' रखा गया है।

खुला संवादः इसका उद्देश्य महिलाओं के साथ सुरक्षा, अधिकार और समस्याओं पर एक सीधा और पारदर्शी संवाद स्थापित करना है।

कानूनी व आपातकालीन जानकारीः सत्र के दौरान महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों, कोटा शहर पुलिस की सुरक्षा पहलों, हेल्पलाइन नंबरों और आपातकालीन सहायता प्रणालियों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

कोटा शहर पुलिस ने सभी प्रबुद्ध नागरिकों और महिलाओं से इस खुले संवाद सत्र में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है। कार्यक्रम को लेकर कोटा शहर पुलिस की ओर से तैयारियां तेज कर दी गई हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि महिलाओं की सुरक्षा केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। ऐसे में महिलाओं और पुलिस के बीच सीधा संवाद स्थापित करना जरूरी है, ताकि सुरक्षा से जुड़ी वास्तविक समस्याओं को समझकर उनके समाधान की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जा सकें। महिला सुरक्षा संकल्प संवाद के दौरान महिलाओं को अपने अधिकारों और उपलब्ध कानूनी संरक्षण के बारे में जानकारी दी जाएगी।

राजस्थान/ प्रादेशिक

18 देशों के 36 डिजिटल क्रिएटर्स ने देखा जयपुर- उदयपुर ,अब दुनिया तक पहुंचेगी राजस्थान डिजिटल पर्यटन यात्रा

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान की विरासत, संस्कृति और पर्यटन अनुभव अब लैटिन अमेरिका और कैरेबियाई देशों की डिजिटल दुनिया तक पहुंचेंगे। भारत की सार्वजनिक कूटनीति पहल के तहत 18 देशों के 36 सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और कंटेंट क्रिएटर्स 9 से 16 अगस्त तक राजस्थान के दौरे पर हैं। हवेली में लेकसाइड हेरिटेज वॉक, सहेलियों की बाड़ी और विंटेज कार म्यूजियम का दौरा किया गया। इस दौरान ऐतिहासिक विरासत के साथ झील, पहाड़ी, धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन के अनुभव भी सामने आए। 12 अगस्त को प्रतिनिधिमंडल चित्तौड़गढ़ पहुंचा, जहां चित्तौड़गढ़ फोर्ट और म्यूजियम का भ्रमण किया। ऐतिहासिक विरासत को करीब से देखने के बाद प्रतिनिधिमंडल उदयपुर लौटा और स्थानीय बाजार में खरीदारी का अनुभव लिया। इससे राजस्थान की पर्यटन यात्रा में विरासत स्थलों के साथ स्थानीय बाजार और उससे जुड़ी पर्यटन अर्थव्यवस्था की भूमिका भी सामने आई। विदेश मंत्रालय की सार्वजनिक कूटनीति पहल के तहत आयोजित फेमिलियराइजेशन विजिट का उद्देश्य विदेशी मीडिया प्रतिनिधियों और डिजिटल क्रिएटर्स को भारत की विविधता, विरासत, संस्कृति और समकालीन विकास से प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराना है। राजस्थान के जयपुर, उदयपुर और चित्तौड़गढ़ को इस यात्रा में शामिल किए जाने से प्रदेश की विरासत के अलग-अलग आयामों को एक साथ प्रस्तुत करने का अवसर मिला। राजस्थान के लिए यह दौरा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि इसमें दक्षिण और मध्य अमेरिका तथा कैरेबियाई क्षेत्र के देशों के डिजिटल क्रिएटर्स शामिल रहे। ये क्रिएटर्स अपने-अपने देशों में बड़े डिजिटल दर्शक वर्ग तक पहुंच रखते हैं और राजस्थान में देखे-समझे अनुभवों को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा कर रहे हैं। शेखावत के अनुसार, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर्यटन प्रचार की तस्वीर बदल रहे हैं। किसी गंतव्य को देखने वाले व्यक्ति का अनुभव जब वीडियो, रील, पोस्ट या डिजिटल स्टोरी के रूप में बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंचता है, तो वह स्वयं उस गंतव्य का प्रभावी परिचय बन जाता है। राजस्थान की कोशिश ऐसे अनुभवों को दुनिया के नए दर्शक वर्ग तक पहुंचाने की है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की पर्यटन ताकत केवल उसके किलों और महलों में नहीं, बल्कि उन अनुभवों में है जो पर्यटक यहां आकर अपने साथ लेकर जाते हैं।

हर घर तिरंगा अभियान में गूंजा राष्ट्रभक्ति का संदेश, विभाजन की विभीषिका को किया स्मरण

एजेंसी, थिंक राजस्थान

कोटा। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के केंद्रीय संचार ब्यूरो, क्षेत्रीय कार्यालय कोटा द्वारा हर घर तिरंगा अभियान एवं विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर एलबीएस ग्रुप ऑफ एजुकेशन, कोटा में जागरूकता कार्यक्रम, विभाजन विभीषिका प्रदर्शनी, मौखिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता तथा तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा रहे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में सैन्य स्टेशन मुख्यालय, कोटा के कर्नल प्रदीप कदम, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कमांडर बी.सी. एस. शेखावत तथा कैप्टन अनार सिंह सिसोदिया उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि संदीप शर्मा ने कहा कि भारत की स्वतंत्रता असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों और वीर सैनिकों के त्याग व बलिदान का परिणाम है। तिरंगा हमारी आन, बान और शान का प्रतीक है, इसलिए प्रत्येक नागरिक को स्वतंत्रता दिवस पर अपने घर पर तिरंगा फहराकर राष्ट्र के प्रति सम्मान प्रकट करना चाहिए। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने तिरंगा रैली निकालकर राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सद्भाव का संदेश दिया।

सीएम भजनलाल ने किया मेघो जी उपाध्याय की मूर्ति का आवरण

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को बीकानेर में मेघासर के संस्थापक वीर शिरोमणि मेघो जी उपाध्याय की अष्टधातु निर्मित अश्वारूढ़ प्रतिमा का विधिवत अनावरण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री का आमजन ने साफा और माला पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम में केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री, स्वतंत्र प्रभार अर्जुनराम मेघवाल, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा, विधायक अंशुमान सिंह भाटी, जेठानंद व्यास सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। ऐसी प्रतिमाएं आने वाली पीढ़ियों को अपने गौरवशाली इतिहास से परिचित कराने के साथ उन्हें प्रेरणा देने का काम करती हैं। आमजन ने मुख्यमंत्री का साफा पहनाकर और माल्यार्पण कर स्वागत किया।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर बयाना में बलिदानी पुरखों को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बयाना। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर शुक्रवार को बयाना के सुभाष चौक पर 1947 के भारत विभाजन के दौरान अपनी जान गंवाने वाले एवं अपनी जड़ों से विस्थापित हुए पूर्वजों की स्मृति में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री गुलजारी लाल हरजाई ने की। कार्यक्रम में समाजबंधुओं ने बड़ी संख्या सुभाष चौक सर्किल पर पहुंचकर विभाजन के दौरान बलिदान देने वाले अपने पुरखों को कैन्डिल जला कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान वक्ताओं ने 1947 के विभाजन की विभीषिका को याद करते हुए कहा कि उस दौर में लाखों लोगों को अपने घर, परिवार और मातृभूमि से विस्थापित होने का दर्द झेलना पड़ा। अनेक लोगों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उपस्थित समाजबंधुओं ने बलिदानी पूर्वजों के त्याग और संघर्ष को नमन करते हुए उनके योगदान को स्मरण किया।

एसीएस माइंस अपर्णा अरोड़ा ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ की वर्चुअल बैठक

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। सिरोही आबुरोड़ के डेरी व आसपास के क्षेत्र में तांबा, शीशा, जस्ता और सह खनिज भण्डार के आरंभिक संकेत उत्साहजनक मिले है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जो स्वयं खान मंत्री भी है के दिशा-निर्देशों के अनुसरण में खान विभाग ने आबुरोड के डेरी, बंसतगढ़ व आसपास के क्षेत्र में अतिमहत्वपूर्ण खनिज कॉपर, लेड, जिंक और एसोसिएटेड खनिजों के भण्डार की विपुल संभावनाओं को देखते हुए इस क्षेत्र में विस्तृत खोज एवं खनन शुरु कराने की कार्ययोजना तैयार की जा रही हैं।

अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस अपर्णा अरोरा ने इस संबंध में आरएसएमएम के प्रबंध निदेशक, खान एवं आरएसएमएम व जीएमआरआईसी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की और भावी रणनीति पर चर्चा कर आवष्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि अंबाजी के आसपास के इलाके में गुजरात सरकार द्वारा पहले से ही खनन परियोजनाओं का संचालन किया जा रहा है।

अपराधियों में डर, आमजन में विश्वास के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही राजस्थान पुलिस

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राजस्थान पुलिस के महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने समस्त प्रदेशवासियों और पुलिस परिवार के अधिकारियों एवं जवानों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। अपने संदेश में उन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान को नमन करते हुए देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने का आह्वान किया। डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार की अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति के अनुरूप राजस्थान पुलिस पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही हैः नेटवर्क ध्वस्त करने पर जोरः संगठित अपराध, हार्डकोर अपराधियों और नशा तस्करों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर अवैध संपत्तियों को जब्त करने, हथियार व मादक पदार्थों की बरामदगी और अपराधियों के नेटवर्क को ध्वस्त करने का काम तेजी से किया जा रहा है।

निवारक पुलिसिंगः पुलिस का मुख्य लक्ष्य अपराध घटित होने से पहले ही उसे रोकना है। बदलते दौर में साइबर अपराधों को एक नई चुनौती बताते हुए उन्होंने कहा कि राजस्थान पुलिस ने इसके प्रभावी नियंत्रण के लिए राजस्थान पुलिस साइबर क्राइम कंट्रोल सेंटर (R4C) की स्थापना की है। उन्होंने आमजन से अपील की कि साइबर ठगी का शिकार होने पर बिना किसी देरी के तत्काल 1930 हेल्पलाइन नंबर पर अपनी शिकायत दर्ज कराएं। राजस्थान पुलिस को आधुनिक व तकनीक-सक्षम बनाने के लिए प्रतिभाशाली युवाओं और प्रोफेशनल्स की भर्ती की जा रही है, जिससे स्मार्ट पुलिसिंग को बढ़ावा मिल रहा है।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर सहकारिता विभाग के कार्मिकों को हर घर तिरंगा अभियान के लिए किया गया प्रेरित

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। सहकारिता विभाग की ओर से स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर ''मंजिल की ओर बढते कदम'' कार्यक्रम का आयोजन आरएस क्लब में किया गया जिसमें सहकारिता विभाग की विभिन्न योजनाओं, उपलब्धियों, नवाचारों एवं भावी कार्ययोजना हेतु प्रेरित किया गया। सहकारिता राज्य मंत्री गोतम कुमार दक तथा शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार डॉ. समित शर्मा ने कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन कर शुभारम्भ किया। इस अवसर पर सहकारिता विभाग एवं विभिन्न सहकारी संस्थाओं के अधिकारियों/ कर्मचारियों को उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। सहकारिता मंत्री ने कहा कि गत ढाई वर्षों में सहकारिता विभाग द्वारा उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की है तथा सहकार से समृद्धि कार्यक्रम कें अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न पहलों में प्रथम स्थान प्राप्त कर राज्य की पहचान स्थापित की है। उन्होंने इस दौरान सहकार से समृद्धि, सहकारिता में सहकार, राजफैड की प्रमुख उपलब्धियां एवं भावी कार्ययोजना, विभागीय भावी कार्ययोजना, राजस्थान राज्य सहकारी बैंक की उपलब्धियां, राजस्थान भूमि विकास बैंक की उपलब्धियां एवं कॉनफैड की उपलब्धियां के बारे में विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार डॉ. समित शर्मा ने ''मंजिल की ओर बढते कदम'' तथा सहकारिता विभाग एवं आरसीएस ऑफिस की 10 प्राथमिकताओं के बारे में चर्चा की गई साथ ही विभाग में अधिकारियों एवं कर्मचारियों की समयबद्धता, कार्य संस्कृति का निर्माण, प्रशासन में पारदर्शिता, सुशासन की स्थापना हेतु प्रेरक पीपीटी के माध्यम से कार्मिकों को प्रोत्साहित किया गया। इस दौरान पैक्स की ऑडिट , भारत टैक्सी की उपलब्धियों एवं

भावी कार्ययोजना, सहकारिता विभाग में हुए डिजीटल ट्रांसफोरमेषन यथा-राजसहकार पोर्टल, राजफैड एमएसपी ओपीआर पोर्टल एवं राजफेड किसान मोबाईल एप आदि। उन्होंने आरसीएस ऑफिस की आधारभूत संरचना में हुए सुधार जैसेः- लिफ्ट, कैंटिन, फ्लैग, आरसीएस ऑफिस की स्वच्छता, एसी मरम्मत आदि कार्यों एवं कार्मिकों में कार्य संस्कृति के निर्माण के साथ सहकार वन के बारे में विस्तार से चर्चा की। समारोह में राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत एवं अन्य देशभक्ति गीत गाए गए।

मानवाधिकारों की रक्षा के लिए जागरूकता एवं संवेदनशीलता आवश्यक

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग द्वारा शुक्रवार को शासन सचिवालय में 15 दिवसीय ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम का समापन किया गया। 27 जुलाई से 14 अगस्त तक आयोजित इस इंटर्नशिप कार्यक्रम में विधि विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने मानवाधिकारों से जुड़े विभिन्न विषयों पर अध्ययन के साथ व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं आयोग के अध्यक्ष जस्टिस जी.आर. मूलचंदानी ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मानवाधिकार केवल कानूनी अधिकारों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति के सम्मान, गरिमा और समानता से जुड़े हैं। कार्यक्रम के अंत में इंटर्नशिप की समन्वयक एवं आयोग की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. संध्या यादव ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

विभाजन की विभीषिका :नई पीढ़ी अपने पुरखों के त्याग को जाने

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। 14 अगस्त हमारे लिए केवल भारत के स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या नहीं है। यह भारतीय इतिहास का वह दिन है, जो कि इतिहास में सबसे पीड़ादायक और काले अध्याय के रूप में दर्ज है जिसने स्वतंत्रता की खुशी के साथ करोड़ों भारतीयों के जीवन में ऐसा दर्द भर दिया, जिसकी टीस पीढ़ियों तक महसूस होती रहेगी। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 14 अगस्त 2021 को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के रूप में मनाने की घोषणा कर उन लाखों लोगों के संघर्ष, बलिदान और विस्थापन को राष्ट्रीय स्मृति का हिस्सा बनाया है, जिन्होंने देश के विभाजन की कीमत अपने घर, जमीन, संपत्ति, परिवार और अपने प्राण देकर चुकाई।विभाजन को समझना केवल इतिहास की एक घटना को समझना नहीं है। बल्कि यह समझना है कि स्वतंत्रता हमें कितनी बड़ी मानवीय त्रासदी की कीमत चुकाने के बाद मिली है। ब्रिटिश शासन ने भारतीय समाज की विविधताओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व के ढांचे में इस तरह इस्तेमाल किया कि हमारी सामुदायिक पहचानें धीरे-धीरे राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का आधार बनती गईं। 1940 के दशक में मुस्लिम लीग की पाकिस्तान की मांग अधिक मुखर हुई और 1946 के घटनाक्रमों, कैबिनेट मिशन योजना की विफलता और उसके बाद बढ़ती साम्प्रदायिक हिंसा ने परिस्थितियों को अत्यंत जटिल बना दिया। कलकत्ता, नोआखली, बिहार, रावलपिंडी और पंजाब एवं सिन्ध सहित अनेक क्षेत्रों में हिंसा ने हमारें अर्वाचीन सामाजिक ताने-बाने को झकझोर दिया।ब्रिटिश सत्ता के शीघ्र हस्तांतरण के निर्णय और सत्ता के विभाजन की प्रक्रिया ने स्थिति को और भयावह बना दिया। अंततः भारत और पाकिस्तान दो स्वतंत्र राष्ट्र बने, लेकिन इसके साथ ही वह मानवीय त्रासदी शुरू हुई, जिसकी कल्पना शायद किसी ने नहीं की थी। राष्ट्रपिता श्री महात्मा गांधी जीवन भर भारत की एकता और हिन्दू-मुस्लिम एकता के प्रबल समर्थक रहे। वे विभाजन के घोर विरोधी थे।

80वां स्वतंत्रता दिवस : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता के साथ विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। हमारा प्रदेश भी 'विकसित राजस्थान-समृद्ध राजस्थान' के लक्ष्य के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार का संकल्प है कि विकास का लाभ समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचे। इसी सोच के साथ युवाओं को रोजगार, किसानों की खुशहाली, महिलाओं का सम्मान एवं सशक्तीकरण, गरीब एवं वंचित वर्गों को बेहतर जीवन की सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने प्रदेशवासियों का आह्वान किया कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हम सभी राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने, सामाजिक समरसता को मजबूत करने तथा पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और जल संरक्षण जैसे जनहित के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लें। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेशवासियों की एकजुटता, परिश्रम और संकल्प शक्ति से राजस्थान विकास के नए आयाम स्थापित करेगा और 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने में अग्रणी भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को स्वाधीनता दिवस पर डॉ. करणी सिंह स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय स्वाधीनता दिवस समारोह-2026 में सुबह 9 बज कर 5 मिनट पर ध्वजारोहण करेंगे। इस अवसर पर वे प्रदेशवासियों को संबोधित भी करेंगे। शर्मा इससे पहले प्रातः 8:30 बजे स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में झंडारोहण करेंगे। वे प्रातः 8:55 बजे शहीद स्मारक में पुष्प चक्र अर्पित करेंगे। मुख्यमंत्री प्रातः 11.25 बजे जल विज्ञान एवं जल प्रबंधन संस्थान सभागार में 'युवा संवाद' विकसित राजस्थान 2047' में भाग लेंगे। दोपहर में मुख्यमंत्री नाल एयरपोर्ट से जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 80वें स्वतंत्रता दिवस के

पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि स्वतंत्रता दिवस का यह पर्व हमें उन महान स्वतंत्रता सेनानियों, वीर शहीदों और देशभक्त विभूतियों के त्याग, तपस्या एवं बलिदान का स्मरण कराता है, जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। यह दिन हमें देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के लिए सदैव समर्पित रहने की प्रेरणा देता है।

प्रो. मंजु मांडोत ने संभाला जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ के कुलपति का पदभार

एजेंसी, थिंक राजस्थान

उदयपुर। जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी) के कुलाधिपति भंवर लाल गुर्जर ने कंप्यूटर विज्ञान एवं आईटी विभाग की निदेशक प्रो. मंजु मांडोत को विश्वविद्यालय का कार्यवाहक कुलपति मनोनीत किया है। आदेश जारी होने के बाद प्रो. मांडोत ने दोपहर 1:15 बजे प्रतापनगर स्थित कुलपति सचिवालय में विधिवत पदभार ग्रहण कर लिया। पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद प्रो. मंजु मांडोत ने प्रतापनगर परिसर में स्थापित विद्यापीठ के संस्थापक पंडित जनार्दन राय नागर (जनुभाई) की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। उन्होंने संस्थापक के अधूरे सपनों को सभी कार्यकर्ताओं और संकाय सदस्यों को साथ लेकर पूरा करने का संकल्प दोहराया। तीन दशकों का अनुभवः प्रो. मांडोत ने अगस्त 1996 में विद्यापीठ के आईटी विभाग में सहायक आचार्य (Assistant Professor) के रूप में अपनी शैक्षणिक यात्रा शुरू की थी। विभिन्न प्रशासनिक व अकादमिक पदों पर रहने के बाद वे जुलाई 2012 से लगातार निदेशक पद की जिम्मेदारी संभाल रही थीं।

मनोरंजन समाचार

फराह खान ने बताया अन्या और दिवा को किस बात की रहती है चिंता? बेटियों की इनसिक्योरिटीज पर खुलकर की बात

बॉलीवुड फिल्ममेकर फराह खान ने हाल ही में अपने नए फूड व्लॉग में अपनी दोनों बेटियों के बारे में बात की। स्प्लिट्सविला और लॉक अप फेम आकांक्षा चौधरी के साथ फराह को शो और करियर के अलावा फैमिली के बारे में भी बात करते देखा गया। इस बीच फराह खान ने बताया कि उनकी बेटियां काफी इनसिक्योर हैं। दूसरी ओर, आकांक्षा ने अपनी इनसिक्योरिटी के बारे में खुलकर बात की और फराह को अपनी पहले और बाद की तस्वीरें दिखाईं। वहीं फिल्ममेकर ने बताया कि उनकी बेटियों को भी लगता है कि वे खूबसूरत नहीं हैं। फराह को अपनी पहले और बाद की तस्वीरें दिखाते हुए, आकांक्षा ने कहा, 'मैं सबसे ज्यादा इनसिक्योर लड़की थी।' इस पर फराह ने जवाब दिया, 'भाई... तू मेरी बेटियों को मिल ले, उनको भी लगता है वो बहुत बदसूरत हैं।' फिर फराह ने आकांक्षा से लॉक अप पार्टी में अपनी बेटियों से मिलने के बारे में पूछा। इस पर आकांक्षा ने कहा, 'वो तो बहुत क्यूट पतली हैं।' फराह ने फिर कहा, 'लेकिन उन्हें लगता है कि वे बहुत बदसूरत हैं।' जब आकांक्षा ने फराह को अपने पुराने वीडियो दिखाए तो फिल्ममेकर ने कहा, 'हे भगवान, तुम तो मेरी बेटियों जैसी ही दिखती हो।' हालांकि, फराह अपनी बेटियों के साथ सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। फराह खान और फिल्ममेकर-एडिटर शिरीष कुंदर के घर 2008 में IVF के जरिए तीन बच्चे हुए - बेटियां अन्या, दिवा और बेटा जार। IVF ट्रीटमेंट के बाद जब फराह ने बच्चों को जन्म दिया तब वह 43 साल की थीं। उन्होंने खुलकर बताया है कि उन्हें तीन बच्चे होने की उम्मीद नहीं थी और प्रेग्नेंसी के दौरान डॉक्टरों ने उन्हें कई जोखिमों के बारे में भी बताया था। बता दें कि फिल्मी परिवार में पली-बढ़ी होने के बावजूद अन्या और दिवा ज्यादातर लाइमलाइट से दूर ही रही हैं। 2020 के लॉकडाउन के दौरान उन्होंने 'द मैड पार्टी प्लानर्स' नाम का एक ऑनलाइन पार्टी-प्लानिंग वेंचर शुरू किया, जो वर्चुअल बर्थडे पार्टी और दूसरे सेलिब्रेशन ऑर्गनाइज करता था। अन्या ने जानवरों के लिए एक शेल्टर खोलने का फैसला किया था और अपनी आर्टवर्क के जरिए लॉकडाउन में परेशान हुए जानवरों के लिए पैसे भी जुटाए थे।

दोनों बहनों ने हाल ही में धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल से ग्रेजुएशन पूरा किया है और अब वे आगे की पढ़ाई के लिए अमेरिका चली गई हैं। अपने बच्चों को ग्रेजुएशन पर बधाई देते हुए फराह ने एक वीडियो भी शेयर किया था। फराह खान की इस बातचीत में बच्चों के आत्मविश्वास और अपने रूप को लेकर बनने वाली धारणाओं का मुद्दा भी सामने आया। उन्होंने बताया कि उनकी बेटियां भले ही बाहर से आत्मविश्वासी और सामान्य नजर आती हों, लेकिन उनके मन में भी अपनी खूबसूरती को लेकर असुरक्षा की भावना है। फराह की यह बात इस ओर इशारा करती है कि प्रसिद्ध और संपन्न परिवारों में पले-बढ़े बच्चों पर भी सामाजिक अपेक्षाओं और बाहरी रूप-रंग को लेकर दबाव हो सकता है। फराह खान अक्सर अपने बच्चों के साथ जुड़े अनुभवों को सार्वजनिक रूप से साझा करती रही हैं।

समय रैना विवाद खत्म! ₹12.5 करोड़ की समाज सेवा के साथ सुप्रीम कोर्ट से मिला कानूनी अभयदान

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को स्टैंड-अप कॉमेडियन व यूट्यूबर समय रैना सहित पांच हास्य कलाकारों के खिलाफ दर्ज सभी आपराधिक कार्यवाहियों को रद्द कर दिया है। यह कानूनी विवाद उनके लोकप्रिय शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के दौरान दिव्यांगजनों को लेकर की गई कथित अशोभनीय और असंवेदनशील टिप्पणियों से जुड़ा हुआ था। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जोयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी मोहना की पीठ ने इस मामले की सुनवाई करते हुए समय रैना के अलावा विपुल गोयल, बलराज परमजीत सिंह घई, सोनाली ठक्कर और निशांत जगदीश तंवर को भी इस आपराधिक मामले से पूरी तरह मुक्त कर दिया। अदालत ने न केवल इन युवा कलाकारों को राहत दी, बल्कि दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए उनके द्वारा किए गए सकारात्मक प्रयासों और फंड रेजिंग आयोजनों की खुलकर सराहना भी की। मामले की सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने पांचों कॉमेडियन्स द्वारा हाल के दिनों में किए गए सुधारात्मक कार्यों पर संतोष व्यक्त किया। पीठ ने टिप्पणी करते हुए कहा कि ये सभी बेहद होनहार और प्रतिभाशाली युवा हैं। जब नीयत साफ हो और ईमानदारी से प्रयास किए जाएं तो उसके परिणाम भी सकारात्मक ही निकलकर आते हैं। कोर्ट ने माना कि यदि युवा सही और रचनात्मक दिशा में कदम बढ़ाते हैं तो उससे समाज को बेहतर परिणाम देखने को मिलते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कॉमेडियन्स से जुड़े आपराधिक मामलों को यहीं समाप्त किया जाता है। इस याचिका के आधार पर शो से जुड़े कई कलाकारों पर कानूनी शिकंजा कसा था।

रानी मुखर्जी को मिला बड़ा सम्मान, शाहरुख खान के बाद ला ट्रोब यूनिवर्सिटी ने दी मानद डॉक्टरेट की उपाधि

रानी मुखर्जी के करीब तीन दशक लंबे फिल्मी सफर में कई ऐसी फिल्में आई हैं, जिन्होंने सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर कमाई नहीं की, बल्कि लोगों के दिलों-दिमाग पर अपनी छाप छोड़ी। कभी 'कुछ कुछ होता है' की टीना बनकर उन्होंने दर्शकों को अपना दीवाना बनाया, तो कभी 'ब्लैक', 'मर्दानी' और 'हिचकी' जैसी फिल्मों में बिल्कुल अलग तरह के किरदार निभाकर अपनी अभिनय क्षमता दिखाई।

अब रानी को सिने जगत में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए ऑस्ट्रेलिया की ला ट्रोब यूनिवर्सिटी ने उन्हें मानद डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया है। खास बात यह है कि शाहरुख खान के बाद रानी यह सम्मान पाने वाली दूसरी भारतीय फिल्मी हस्ती हैं। ऑस्ट्रेलिया की ला ट्रोब यूनिवर्सिटी ने उन्हें ऑनरेरी डॉक्टर ऑफ लेटर्स की मानद उपाधि से सम्मानित किया है। यह सम्मान उन्हें इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न (आईएफएफएम) 2026 के तहत फेडरेशन स्क्वायर में आयोजित एक खास समारोह में दिया गया। यूनिवर्सिटी ने यह सम्मान भारतीय सिनेमा में रानी के करीब तीन दशक लंबे योगदान को देखते हुए दिया है। सम्मान मिलने के बाद रानी मुखर्जी ने इसे अपनी जिंदगी के सबसे खास पलों में से एक बताया। उन्होंने कहा, ''जब मैं छोटी थी, तब बाकी बच्चों की तरह मेरा भी सपना था कि मैं अपने परिवार और अपने देश को गर्व महसूस करा सकूं। हालांकि उस वक्त मुझे यह नहीं पता था कि मैं ऐसा कैसे करूंगी। मुझे बस इतना मालूम था कि अगर मैं किसी एक काम में पूरी मेहनत करके अच्छी बनूं, तो मेरे माता-पिता खुश होंगे। आखिरकार सिनेमा मेरे लिए वह माध्यम बना, जिसके जरिए मैं इस सपने को पूरा कर सकी।'' रानी ने कहा, ''मैं हमेशा से यह मानती रही हूं कि फिल्में लोगों की सोच बदलने से पहले उनके दिल को बदल सकती हैं। हर कलाकार की जिम्मेदारी सिर्फ कैमरे के सामने प्रदर्शन करने तक खत्म नहीं होती। कलाकार धीरे-धीरे अपनी संस्कृति के प्रतिनिधि भी बन जाते हैं।

अनिल कपूर ने बेटी रिया को दी 5वीं वेडिंग एनिवर्सरी की बधाई, लिखा- तुम्हारी जोड़ी कमाल की है

अभिनेता अनिल कपूर की छोटी बेटी और प्रोड्यूसर रिया कपूर शुक्रवार को अपनी शादी की सालगिरह मना रही हैं। इस मौके पर अभिनेता ने बेटी को शुभकामानएं दी। अभिनेता ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर रिया और उनके पति करण बूलानी की तस्वीर पोस्ट कर लिखा, "पांच साल और साथ में कितनी सारी यादें बना लीं। दोस्ती से शुरू होकर आज जो जिंदगी तुम दोनों ने मिलकर बनाई है, उसे देखना मेरे लिए बेहद खास है।" अभिनेता ने दोनों की जोड़ी को नेचुरल बताया। उन्होंने लिखा, "तुम दोनों एक-दूसरे के लिए बेस्ट हो, साथ बहुत नैचुरल लगते हो और जोड़ी काफी कमाल की है। शादी की 5वीं सालगिरह मुबारक हो रिया कपूर और करण बूलानी। तुम दोनों से बहुत प्यार है।"

रुक्मिणी वसंत ने टॉक्सिक को बताया, अब तक किए हर काम से बिल्कुल अलग

मुंबई में टॉक्सिकः अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स के म्यूज़िक लॉन्च पर रुक्मिणी वसंत ने फिल्म का हिस्सा बनने और मेलिसा की दुनिया में कदम रखने के अपने एक्सपीरियंस के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि यह प्रोजेक्ट उनके अब तक के किए गए काम से बिल्कुल अलग है। टॉक्सिक को अपने लिए खास बताते हुए रुक्मिणी ने कहा, टॉक्सिक मेरे लिए, और इस फिल्म का हिस्सा रहे हर इंसान के लिए बेहद स्पेशल फिल्म है। ऐसी बहुत सी चीज़ें हैं जिनके बारे में मैं बात कर सकती हूं। जिस दुनिया में हम रहते हैं, उसका एक्सपैंसिव होना, फिल्म का स्केल पहली बार जब मैंने इसके बारे में सुना था, तभी इसका स्केल मुझे बहुत इम्प्रेस कर गया था। हालांकि, रुक्मिणी ने बताया कि उन्हें फिल्म की तरफ सिर्फ इसका स्केल और ग्रैंड्योर ही नहीं खींच लाया, बल्कि इसके किरदारों की कॉम्प्लेक्सिटी ने भी उन्हें काफी एक्साइट किया। उन्होंने कहा, फिल्म के स्केल और इस दुनिया की ग्रैंड्योर के साथ-साथ, हर किरदार का ग्रे शेड भी बहुत शानदार है। हर किरदार इतना रॉ और इतना ह्यूमन है। रुक्मिणी ने बताया कि वह यह जानने को लेकर काफी एक्साइटेड थीं कि टॉक्सिक की इस बड़ी दुनिया में मेलिसा की जगह क्या है और उसका बाकी किरदारों के साथ कनेक्शन कैसा है। उन्होंने कहा, मैं यह डिस्कवर करने को लेकर बहुत एक्साइटेड थी कि मेलिसा इस दुनिया में कहां फिट होती है और बाकी किरदार एक-दूसरे से कैसे जुड़े हुए हैं। यह सब किस तरह आपस में जुड़ा हुआ है, इसे लेकर मैं बहुत क्यूरियस थी। एक्टर ने यह भी माना कि यश के साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिलना उनके लिए एक्साइटिंग एक्सपीरियंस था। रुक्मिणी ने कहा, यश सर की फैनगर्ल होना और फिर उनके साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिलना, मेरे लिए यह भी एक बहुत शानदार एक्सपीरियंस था। जब रुक्मिणी से पूछा गया कि टॉक्सिक को उनके लिए इतना खास क्या बनाता है, खासकर तब जब ऑडियंस ने उन्हें इससे पहले ऐसी दुनिया या किरदार में नहीं देखा है, तो उन्होंने कहा, यह अब तक मैंने जो भी काम किया है, उससे बिल्कुल अलग है। मुझे लगता है कि इसमें एक यूनिकनेस है और उनके किरदार में एक खास तरह का जे ने से क्वा है। गीतू मोहनदास के डायरेक्शन में बनी टॉक्सिकः अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स में यश, नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी नजर आएंगे। फिल्म 26 अगस्त 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। रुक्मिणी वसंत के मुताबिक, फिल्म की दुनिया को समझना उनके लिए किसी नए अनुभव से कम नहीं था। उन्होंने कहा कि मेलिसा के किरदार को निभाने के दौरान उन्हें कई ऐसी भावनाओं और परिस्थितियों से गुजरने का मौका मिला, जो उनके अब तक के किरदारों से बिल्कुल अलग थीं। यही वजह है कि इस भूमिका को लेकर उनके भीतर शुरुआत से ही उत्सुकता बनी रही। अभिनेत्री ने बताया कि मेलिसा को केवल एक किरदार के तौर पर देखना पर्याप्त नहीं था, बल्कि उसकी सोच, उसके रिश्तों और उसके आसपास मौजूद लोगों के साथ उसके व्यवहार को समझना भी जरूरी था। फिल्म की कहानी जिस जटिल दुनिया में आगे बढ़ती है, उसमें हर किरदार की अपनी अलग परत है। रुक्मिणी के अनुसार, यही बात फिल्म को सामान्य कहानी से अलग बनाती है। उन्होंने कहा कि फिल्म की भव्यता दर्शकों को पहली नजर में आकर्षित कर सकती है, लेकिन इसके पीछे मौजूद मानवीय भावनाएं और किरदारों की जटिलता इसे और खास बनाती हैं। उनके अनुसार, कहानी में मौजूद पात्र पूरी तरह सही या गलत नहीं हैं, बल्कि उनमें इंसानी भावनाओं के कई रंग दिखाई देते हैं। यही पहलू उन्हें मेलिसा की भूमिका की ओर खींचता रहा। रुक्मिणी ने यह भी बताया कि फिल्म के बड़े स्तर पर बनने के कारण कलाकारों पर जिम्मेदारी भी उतनी ही अधिक रही। ऐसे प्रोजेक्ट में केवल संवाद बोलना या दृश्य प्रस्तुत करना ही पर्याप्त नहीं होता, बल्कि पूरे संसार का हिस्सा बनने के लिए किरदार की मानसिकता और उसकी यात्रा को समझना पड़ता है। यश के साथ काम करने के अनुभव को याद करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि वह लंबे समय से उनकी प्रशंसक रही हैं और ऐसे में उनके साथ कैमरे के सामने काम करना उनके लिए विशेष अनुभव था। उन्होंने बताया कि एक प्रशंसक के रूप में किसी कलाकार को देखने और फिर उसी कलाकार के साथ एक ही कहानी का हिस्सा बनने के बीच काफी अंतर होता है। उनके लिए यह बदलाव बेहद रोमांचक रहा।

'बेटी की उम्र की है, थोड़ी तो शर्म करो', रूमर्ड गर्लफ्रेंड संग फिर दिखे गोविंदा, भड़क गईं सुनीता

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा के बीच का विवाद एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। हाल ही में गोविंदा को अपनी आगामी फिल्म 'रूपा' की सह-कलाकार कोमल रानी स्वर्णकार के साथ मुंबई एयरपोर्ट पर देखा गया था। शुक्रवार को जब दोनों दोबारा एक साथ नजर आए तो पैपराजी ने इस पर सुनीता आहूजा की प्रतिक्रिया मांगी। इस दौरान सुनीता का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने अपने पति पर तीखे शब्दों का इस्तेमाल करते हुए उनके व्यवहार पर कड़े सवाल उठाए। पैपराजी द्वारा गोविंदा और कोमल के लगातार प्रमोशन पर सवाल पूछे जाने पर सुनीता ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आमतौर पर फिल्में बनने के बाद उनका प्रमोशन शुरू होता है, लेकिन यहाँ बिना फिल्म बने ही बाहर घूमना चालू है। सुनीता ने गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि गोविंदा अपनी बेटी की उम्र की लड़की के साथ घूम रहे हैं और उन्हें इस बात पर थोड़ी शर्म आनी चाहिए। इतना ही नहीं, सुनीता ने कोमल के पहनावे पर भी टिप्पणी की और गोविंदा को 'शुगर डैडी' बताते हुए तंज कसा। उन्होंने कहा कि जब उनका शुगर डैडी इतना अमीर है तो कम से कम उस लड़की को ढंग के कपड़े पहनने चाहिए। सुनीता ने आगे कहा कि गोविंदा का दिमाग पूरी तरह से खराब हो चुका है। उन्होंने उन सभी फैंस से सवाल किया जिन्होंने पहले गोविंदा के अफेयर की बातों पर सुनीता को ट्रोल किया था।

शाजान पद्मसी ने अपने पहले सिंगल रातां कालियां से बतौर सिंगर किया डेब्यू

एक्टर के तौर पर लोगों का दिल जीतने के बाद, शाजान पद्मसी अब अपने पहले सिंगल के साथ एक नई म्यूज़िकल जर्नी की शुरुआत कर रही हैं। शाजान पद्मसी अब अपनी आर्टिस्ट्री का एक बिल्कुल नया पहलू एक्सप्लोर करने के लिए तैयार हैं। अपने पहले सिंगल रातां कालियां के साथ वह बतौर सिंगर डेब्यू कर रही हैं। स्क्रीन पर अपनी पहचान बनाने के बाद, शज़ान अब माइक्रोफोन के पीछे अपनी आवाज़ का जादू बिखेरने जा रही हैं और यह उनकी क्रिएटिव जर्नी का एक नया चैप्टर है। म्यूज़िक हमेशा से ही शाजान की ज़िंदगी का अहम हिस्सा रहा है। बहुत कम उम्र में बोर्डिंग स्कूल जाने के कारण उन्होंने परिवार से जुड़े रहने के लिए लेटर्स लिखना शुरू किया। इसी दौरान उन्होंने कम उम्र में ही अपने इमोशन्स को एक्सप्रेस करना सीखा। इकलौती संतान होने की वजह से म्यूज़िक भी उनके लिए एक तरह की थेरेपी बन गया। दो मशहूर हस्तियों की बेटी होने के कारण शाजान का बचपन बेहद क्रिएटिव माहौल में बीता। उनकी मां भारत की पहली पॉप स्टार्स में से एक रही हैं। घर में अक्सर प्लेज़ और म्यूज़िकल्स की रिहर्सल्स होती रहती थीं और एक्टर्स व सिंगर्स का आना-जाना लगा रहता था। टीनएज में शाजान की दिलचस्पी हाउस म्यूज़िक में बढ़ी। उन्होंने Daft Punk, Modjo और Bob Sinclar जैसे आर्टिस्ट्स से इंस्पिरेशन ली। साथ ही Radiohead, The Cardigans और Natalie Imbruglia जैसे आर्टिस्ट्स के ज़रिए अल्टरनेटिव पॉप को भी एक्सप्लोर किया। उन्होंने हॉबी के तौर पर म्यूज़िक प्रोडक्शन सीखा और खुद से पियानो बजाना भी सीखा।

हालांकि, बड़ी होने के साथ उन्होंने मॉडलिंग और एक्टिंग पर फोकस करने के लिए अपने म्यूज़िक पैशन को कुछ समय के लिए रोक दिया और कई पॉपुलर बॉलीवुड फिल्मों का हिस्सा बनीं। म्यूज़िक में वापसी को लेकर शाजान पद्मसी ने कहा, मैंने एक्टिंग को नहीं चुना, बल्कि एक्टिंग ने मुझे चुना। 22 साल की उम्र में किसी के लिए भी यह एक सपने के सच होने जैसा था, लेकिन मेरे अंदर कहीं गहराई में म्यूज़िक की तरफ एक स्ट्रॉन्ग कॉलिंग थी। अंदर से एक आवाज़ कह रही थी कि क्रिएटिव तौर पर मुझे अभी बहुत कुछ एक्सप्लोर करना है। तभी मैंने अपना गियर बदला और म्यूज़िक को लेकर पूरी तरह जुनूनी होकर उसे फॉलो करना शुरू किया।

सार समाचार

अमेरिकी खुफिया जानकारी को अराघची ने बताया फर्जी, बोले-पहले गलती की तो शुरू हुआ युद्ध

नई दिल्ली/ईरान। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने एक बार फिर अमेरिका प्रशासन पर निशाना साधते हुए अमेरिका की खुफिया जानकारी पर सवाल खड़े किए। मौजूदा हालातों के लिए अराघची ने अमेरिका की खुफिया जानकारी की गलतियों को जिम्मेदार ठहराया। अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में लिखा, ''अमेरिका लंबे समय से खुफिया जानकारी से जुड़ी गलतियों के कारण गलत आकलन करता रहा है। इसका एक उदाहरण ईरान के खिलाफ युद्ध है। अब होर्मुज स्ट्रेट को लेकर उससे भी बड़ी गलत गणना की जा रही है। फर्जी खबरों से भी ज्यादा खतरनाक चीज फर्जी खुफिया जानकारी होती है। सावधान रहें।

अल्लाह महान है, और धरती की किसी भी ताकत से बड़ा है। हमें अल्लाह पर भरोसा है।'' कहा जा सकता है कि अराघची ने यह बात होर्मुज स्ट्रेट में अमेरिका के नियंत्रण वाले दावे को लेकर कही है।

अमेरिका लगातार होर्मुज स्ट्रेट में में अपने दावे की बात कर रहा है, जबकि ईरान हर बार उसके इस दावे को नकार देता है। बुधवार को भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज स्ट्रेट पर अमेरिका के 'पूरा नियंत्रण' का दावा किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि वॉशिंगटन इस रणनीतिक जलमार्ग पर अपनी पकड़ बनाए रखना चाहता है। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा, "होर्मुज स्ट्रेट पर अमेरिका का पूरा कंट्रोल है। मुझे लगता है कि हम इसे बनाए रखेंगे।" अमेरिकी राष्ट्रपति ने नौसैनिक घेराबंदी का जिक्र करते हुए कहा कि ईरान इसे चुनौती देने के लिए कुछ नहीं कर सकता। हमारी नाकाबंदी पूरी तरह प्रभावी रही है।

आईआरजीसी का दावा : वर्षों तक युद्ध चले, तब भी दुश्मनों पर मिसाइलें दागता रहेगा ईरान

तेहरान। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कोर (IRGC) के प्रमुख कमांडर के एक वरिष्ठ सलाहकार मोहम्मद रज़ा नक़दी ने एक इंटरव्यू में बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा है कि हालिया संघर्ष ने यह साबित कर दिया है कि अमेरिकी सेना उतनी ताकतवर नहीं है, जितना ईरान उसे पहले समझता था। उन्होंने दो टूक कहा कि अगर यह संघर्ष कई वर्षों तक भी खिंचता है, तब भी ईरान अपने दुश्मनों के ठिकानों पर मिसाइलें बरसाना जारी रखेगा। ईरान की अर्द्धसरकारी 'फ़ार्स न्यूज़' के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार, अमेरिकी प्रसारक PBS को दिए गए इंटरव्यू में मोहम्मद रज़ा नक़दी ने बताया कि पिछले पांच महीनों के दौरान ईरान को अमेरिकी सैन्य क्षमताओं की बेहद साफ और वास्तविक तस्वीर मिल चुकी है। उनके अनुसार, यह संघर्ष जितना लंबा चलेगा, ईरान को उतना ही अधिक रणनीतिक अनुभव प्राप्त होगा। नक़दी ने दावा किया कि ईरान इस युद्ध को जीत चुका है।

अजरबैजान में भारतीय दूतावास ने मनाया 'बिहार दिवस', संस्कृति और व्यंजनों की दिखी झलक

अजरबैजान स्थित भारतीय दूतावास ने गुरुवार को 'बिहार दिवस' का आयोजन किया। इस दौरान बिहार की समृद्ध सभ्यतागत विरासत, जीवंत संस्कृति, पर्यटन की संभावनाओं, हस्तशिल्प और पारंपरिक व्यंजनों को प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के राजदूतों सहित राजनयिक समुदाय के सदस्य, सरकार और विभिन्न संगठनों से जुड़े प्रमुख लोग, कारोबारी समुदाय के प्रतिनिधि, मीडिया कर्मी, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स, भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्य और बड़ी संख्या में अजरबैजान के नागरिक शामिल हुए। कार्यक्रम में लोगों का स्वागत करते हुए अजरबैजान में भारत के राजदूत अभय कुमार ने भारत के सभ्यतागत इतिहास में बिहार के विशिष्ट स्थान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि बिहार बौद्ध और जैन धर्म की जन्मभूमि है तथा प्राचीन मगध साम्राज्य का केंद्र रहा है। उन्होंने नालंदा का भी उल्लेख किया, जो दुनिया के प्राचीनतम शिक्षा केंद्रों में से एक था। इसके साथ ही उन्होंने बोधगया स्थित महाबोधि मंदिर को बिहार की महत्वपूर्ण विरासत बताया, जो यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल है। अजरबैजान स्थित भारतीय दूतावास की ओर से जारी बयान के अनुसार, अभय कुमार ने सम्राट अशोक, आर्यभट्ट, चाणक्य, डॉ. राजेंद्र प्रसाद और जयप्रकाश नारायण जैसी महान विभूतियों के साथ बिहार के ऐतिहासिक संबंधों को भी याद किया। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण एक फैशन शो रहा, जिसमें अजरबैजान के नागरिकों के साथ-साथ भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्यों ने हिस्सा लिया। दर्शकों ने फैशन शो की जमकर सराहना की।

इंडोनेशिया में 7.7 तीव्रता का भूकंप, सुनामी का अलर्ट जारी, समुद्र और नदी से दूर रहने की सलाह

इंडोनेशिया के तट पर शनिवार सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में कई इमारतें हिलती हुई नजर आईं। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 7.7 आंकी गई। इस तेजी का भूकंप काफी शक्तिशाली माना जाता है और इससे इमारतों को भारी नुकसान हो सकता है। अमेरिका के भूगर्भीय सर्वेक्षण ने भूकंप की जानकारी दी। इस भूकंप से किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की अभी कोई खबर नहीं मिली है। हालांकि, घटना के वीडियो देखने के बाद भारी नुकसान की आशंका जताई जा रही है। भूकंप शनिवार को स्थानीय समयानुसार सुबह पांच बजकर 58 मिनट पर इंडोनेशिया के फ्लोरेस क्षेत्र में 10 किलोमीटर की गहराई पर आया। इसका केंद्र पूर्वी नुसा तेंगारा प्रांत के एंडे शहर से 68 किलोमीटर उत्तर-उत्तर पश्चिम में था। शुक्रवार को भारत में भी कई हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। हालांकि, इनकी तीव्रता बेहद कम थी। इंडोनेशिया की मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी ने सुनामी की चेतावनी जारी की है तथा लोगों से समुद्र तटों और नदी किनारों से दूर रहने का आग्रह किया है। एजेंसी ने बताया कि समुद्र के भीतर कम गहराई पर आया यह भूकंप फ्लोरेस द्वीप के पास केंद्रित था। प्रभावित तटीय इलाकों के निवासियों को ऊंचे स्थानों पर जाने की सलाह दी गई है। करीब 17,000 द्वीपों वाला विशाल द्वीपसमूह इंडोनेशिया प्रशांत महासागर क्षेत्र में 'रिंग ऑफ फायर' पर स्थित होने के कारण भूकंप और ज्वालामुखीय गतिविधियों के लिहाज से संवेदनशील है। नेशनल सर्वेयरेज सर्विस ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि भूकंप 49 किलोमीटर की गहराई पर आया था। भूकंप की तीव्रता 7.4 थी। पहला झटका भारतीय समयानुसार तड़के 3:28 बजे महसूस हुआ। इसके बाद फ्लोरेस और सुलावेसी द्वीपों के बीच स्थित फ्लोरेस सागर में 63 किलोमीटर की गहराई पर 6.3 तीव्रता का एक और भूकंप आया। राष्ट्रीय भूकंप सर्वेक्षण के अनुसार, यह भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह 3:43 बजे आया।

15 महीनों से अमेरिकी बॉर्डर पर कोई रिहाई नहीं: ट्रंप प्रशासन

सीमा पर सख्त सुरक्षा उपायों और सीमा पार करने की घटनाओं में आई ऐतिहासिक गिरावट की वजह से अमेरिका की दक्षिणी सीमा पर अवैध रूप से प्रवेश करने वाले प्रवासियों को रिहा किए जाने का सिलसिला लगातार 15वें महीने भी शून्य रहा। ट्रंप प्रशासन ने गुरुवार को यह जानकारी दी। डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी (डीएचएस) और अमेरिकी कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन ने बताया कि जुलाई में बॉर्डर पेट्रोल एजेंटों ने दक्षिण-पश्चिम सीमा पर 9,295 लोगों को पकड़ा। यह संख्या जून की तुलना में 6 प्रतिशत कम थी। एजेंसियों ने बताया कि पूरे देश में बॉर्डर पेट्रोल द्वारा पकड़े गए लोगों की संख्या पिछले महीने की तुलना में 1 प्रतिशत घटकर 11,298 हो गई। डीएचएस सेक्रेटरी मार्कवेन मुलिन ने कहा, "इस महीने भी नतीजे साफ हैं। राष्ट्रपति ट्रंप का बॉर्डर सिक्योरिटी एजेंडा व्यवस्था बहाल कर रहा है और अमेरिकी लोगों की सुरक्षा को प्राथमिकता दे रहा है।" उन्होंने कहा, "डीएचएस हमारे इमिग्रेशन कानूनों को लागू करने, सीमा को सुरक्षित करने और यह सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है कि जो लोग हमारे देश में अवैध रूप से प्रवेश करते हैं, उन्हें तुरंत वापस भेजा जाए।" ट्रंप प्रशासन ने बताया कि जुलाई में दक्षिण-पश्चिमी सीमा पर पकड़े गए लोगों की संख्या बाइडेन प्रशासन के दौरान दर्ज किए गए मासिक औसत से 94 प्रतिशत कम थी। यह संख्या दिसंबर 2023 के सबसे ज्यादा स्तर से 96 प्रतिशत कम थी और जुलाई 2024 के छह दिनों में दर्ज की गई संख्या से भी कम थी। जुलाई में कोकीन, मेथामफेटामाइन, हेरोइन, फेंटानिल और मारिजुआना की कुल जब्ती (वजन के हिसाब से) जुलाई 2024 के मुकाबले 26 प्रतिशत अधिक थी।

गुलामी की मानसिकता से नहीं निकल पा रहा पाकिस्तान, आजादी के जश्न में भी शहबाज ने कर दी ट्रंप की तारीफ

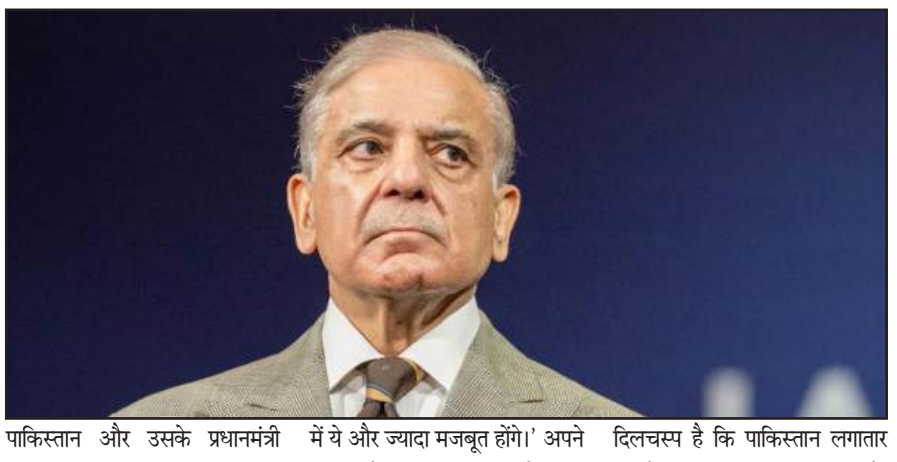

पाकिस्तान और उसके प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की गुलामी की मानसिकता अभी तक खत्म नहीं हुई। ये पाकिस्तान की आजादी की पूर्व संध्या पर भी देखने को मिला। दरअसल, शहबाज शरीफ पाकिस्तान की आजादी को लेकर भाषण दे रहे थे और तभी वो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को याद करने लगे। सीजफायर के लिए ट्रंप का धन्यवाद करने लगे। शहबाज शरीफ ने कहा, 'मैं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं, जिन्होंने पिछले साल पाकिस्तान और भारत के बीच सीजफायर करवाकर लाखों लोगों को बचाया। पाकिस्तान और अमेरिका के रिश्ते लगातार प्रगति कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि भविष्य में ये और ज्यादा मजबूत होंगे।' अपने भाषण में शहबाज शरीफ ने सिंधु जल समझौते पर भारत को भी घेरने की कोशिश की और इसे रेड लाइन बताया। गौरतलब है कि शहबाज शरीफ का ये स्टेटमेंट ऐसे समय में आया है, जब पाकिस्तान अपनी आजादी की सालगिरह का जश्न मना रहा है। ऐसे में प्रश्न उठ रहा है कि जिस अवसर पर पाकिस्तान को अपनी स्वतंत्रता, संप्रभुता और अपने देश के फ्यूचर की बात करनी चाहिए थी, लेकिन वहां शहबाज शरीफ खुद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का गुणगान क्यों कर रहे थे। इस दौरान, शहबाज शरीफ ने मई, 2025 में भारत-पाकिस्तान सीजफायर का क्रेडिट डोनाल्ड ट्रंप को दिया। दिलचस्प है कि पाकिस्तान लगातार इसको अपनी कूटनीतिक उपलब्धि के रूप में पेश करता रहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के बाद सीजफायर हुआ। हालांकि, भारत कई बार साफ कर चुका है कि दोनों देशों के बीच मिलिट्री एक्शन रोकने को लेकर सहमति सीधे भारत-पाकिस्तान के सैन्य अधिकारियों के बीच बनी थी। इसमें किसी तीसरे की भूमिका नहीं थी। उधर, शहबाज शरीफ के स्टेटमेंट ने पाकिस्तान की फॉरेन पॉलिसी और अमेरिका पर उसकी निर्भरता के बारे में भी बहस छेड़ दी है। यही कारण है कि शहबाज शरीफ के इस ताजा बयान को पाकिस्तान की गुलामी की मानसिकता से जोड़कर देखा जा रहा है।

जाम्बिया में चुनाव: दिवंगत राष्ट्रपति लुंगु अब भी लोकप्रिय, कट्टर विरोधी परेशान

लुसाका। जाम्बिया में राष्ट्रपति चुनाव के लिए गुरुवार को वोटिंग जारी है। इस बीच मौजूदा राष्ट्रपति हाकाइंडे हिचिलेमा को अपने दिवंगत राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी और पूर्व राष्ट्रपति एडगर लुंगु की विरासत का सामना करना पड़ रहा है। लुंगु का 2025 में निधन हो गया था, लेकिन उनकी राजनीतिक छाप अब भी चुनावी माहौल में स्पष्ट दिखाई दे रही है। हिचिलेमा और लुंगु के बीच लंबे समय से राजनीतिक टकराव रहा है। लुंगु के निधन के बाद उनके अंतिम संस्कार और पार्थिव शरीर को लेकर भी विवाद खड़ा हुआ था। लुंगु का परिवार चाहता था कि अंतिम संस्कार सरकार के नियंत्रण से बाहर हो। विपक्षी नेता ब्रायन मुंडुबिले, जो टोंसे अलायंस और लुंगु के समर्थकों के साथ हैं, ने सत्ता में आने पर लुंगु के अवशेषों को वापस लाकर उन्हें सम्मानजनक तरीके से दफनाने का वादा किया है। स्थानीय मीडिया हाउस न्यूज डिगर्स ने बताया कि हिचिलेमा दूसरी बार राष्ट्रपति पद के लिए मैदान में हैं। उनके समर्थक सरकार की आर्थिक उपलब्धियों को प्रमुख मुद्दा बना रहे हैं। सरकार का दावा है कि उसने महंगाई को घटाकर करीब 6.5 प्रतिशत किया, मुफ्त शिक्षा को आगे बढ़ाया और विदेशी निवेश आकर्षित करने में सफलता हासिल की है। हालांकि, आम मतदाताओं के लिए रोजमर्रा की आर्थिक मुश्किलें अब भी बड़ी चिंता का विषय हैं। खाद्य असुरक्षा, आय में धीमी वृद्धि और जीवन-यापन की ऊंची लागत ने सरकार की उपलब्धियों को लेकर जनता के बीच असंतोष पैदा किया है। यही असंतोष हिचिलेमा की दोबारा सत्ता में वापसी की राह को मुश्किल बना सकता है।

संयुक्त राष्ट्र ने दी चेतावनी, अल-कायदा बांग्लादेश में आतंकवादी सेल बनाने की कोशिश कर रहा

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने चेतावनी दी है कि भारतीय उपमहाद्वीप में अल-कायदा (एक्यूआईएस) बांग्लादेश को आधार बनाकर आतंकवादी सेल स्थापित करने की कोशिश कर रहा है। यह निष्कर्ष संयुक्त राष्ट्र की विश्लेषणात्मक सहायता एवं प्रतिबंध निगरानी टीम की 38वीं रिपोर्ट में सामने आया है। यह रिपोर्ट इस्लामिक स्टेट, अल-कायदा और उससे जुड़े संगठनों से संबंधित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की समिति को सौंपी गई है। बांग्लादेशी मीडिया के अनुसार, रिपोर्ट में कहा गया है कि नवंबर 2025 में दिल्ली के लाल किले पर हुआ हमला एक्यूआईएस से जुड़ा था। साथ ही, संगठन द्वारा बांग्लादेश को आतंकवादी नेटवर्क खड़ा करने के आधार के रूप में इस्तेमाल करने की कोशिशों पर चिंता जताई गई है। इस पृष्ठभूमि में निगरानी टीम ने चेतावनी दी है कि दक्षिण एशिया में आतंकवाद का खतरा और अधिक बढ़ गया है। लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को उस जनविद्रोह के बाद देश छोड़कर निर्वासन में जाना पड़ा था, जिसमें इस्लामवादी तत्वों की प्रमुख भूमिका बताई गई थी। इसके बाद से यह आशंका बढ़ गई है कि आतंकवादी संगठनों को वहां अपनी गतिविधियां फैलाने के लिए अनुकूल जमीन मिल सकती है। एक्यूआईएस की स्थापना वर्ष 2014 में अल-कायदा प्रमुख अयमान अल-जवाहिरी ने की थी। रिपोर्ट में कहा गया है, एक्यूआईएस एक बिखरे हुए समूह से विकसित होकर एक क्षेत्रीय आतंकवादी संगठन का रूप लेता जा रहा है।" इसमें आगे कहा गया कि संगठन ने लॉजिस्टिक्स और वित्तीय नेटवर्क स्थापित कर लिए हैं तथा अब वह बड़े संगठित ढांचों के बजाय छोटे, विकेंद्रीकृत और बिखरे हुए सेल के माध्यम से काम कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र के आकलन में इस घटनाक्रम को दक्षिण एशिया के सुरक्षा माहौल में व्यापक गिरावट से जोड़ा गया है। रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक आतंकवादी खतरे का स्तर कुल मिलाकर लगभग समान बना हुआ है, लेकिन साहेल क्षेत्र और दक्षिण एशिया में इसमें वृद्धि हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पार हमले जारी रहने से क्षेत्रीय तनाव ऊंचे स्तर पर बना हुआ है। इसमें तालिबान प्रशासन पर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को समर्थन जारी रखने का आरोप लगाया गया है। टीटीपी ने पाकिस्तान के खिलाफ हमले बढ़ा दिए हैं, जिससे दोनों पक्षों के बीच सैन्य टकराव की स्थिति पैदा हुई है। तालिबान लगातार आतंकवादी संगठनों को शरण देने के आरोपों से इनकार करता रहा है।

केन्या में भारतीय उच्चायुक्त ने बताया, 'इस देश के लिए क्यों महत्वपूर्ण है भारत?'

नैरोबी। केन्या में भारत के उच्चायुक्त आदर्श स्वाइका ने केन्या स्कूल ऑफ गवर्नमेंट (केएसजी) में ' वाई इंडिया मैटर्स फॉर केन्या ' विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, सार्वजनिक उपक्रमों और काउंटी सरकारों के 120 से अधिक प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। केएसजी के पुस्तकालय में उन्होंने इंडिया कॉर्नर का भी उद्घाटन किया और भारतीय इतिहास, अर्थव्यवस्था एवं तकनीक के विकास को रेखांकित करतीं किताबें भेंट की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उनके व्याख्यान की प्रमुख बातों पर प्रकाश डाला गया। उच्चायुक्त ने भारत और केन्या के बीच ऐतिहासिक संबंधों और दोनों देशों की समान विकास आकांक्षाओं को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, "दोनों देशों ने औपनिवेशिक शासन के खिलाफ संघर्ष का साझा इतिहास देखा है और आज दोनों ही समावेशी एवं सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।"

स्वाइका ने कहा कि केन्या के साथ भारत का विकास सहयोग केन्या की प्राथमिकताओं और स्थानीय क्षमताओं के निर्माण पर आधारित है।

उन्होंने आत्मनिर्भर भारत और 'मेक इन इंडिया' अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत बड़े पैमाने पर विकास परियोजनाओं और आधुनिक समाधानों के जरिए अपनी विकास यात्रा को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) को भी रेखांकित किया और बताया कि कैसे डिजिटल तकनीक ने भारत को विकास के पारंपरिक मॉडलों को पीछे छोड़कर तेजी से आगे बढ़ने में मदद की है।

अमेरिकी नौसैनिकों ने USS अब्राहम लिंकन से कूदने की कोशिश की थी? भेजा गया नया एयरक्राफ्ट

अमेरिकी एयरक्राफ्ट यूएसएस अब्राहम लिंकन पर तैनात नाविकों ने जहाज से समुद्र में कूदने की कोशिश की। सैन्य परिवारों और अमेरिकी सांसदों ने चेतावनी दी है कि हालात अब बर्दाश्त से बाहर हो रहे हैं।ऐसी खबरों के बाद अब अमेरिका, मिडिल ईस्ट में USS अब्राहम लिंकन की जगह एयरक्राफ्ट कैरियर USS जॉर्ज वॉशिंगटन भेजने की तैयारी कर रहा है। लिंकन पर मौजूद क्रू के मनोबल और वहां के हालात को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच, जहाज की असामान्य रूप से लंबी तैनाती के असर पर सवाल उठने लगे हैं। अमेरिकी नौसेना के बयानों और जहाज की गतिविधियों की जानकारी रखने वाले अधिकारियों के मुताबिक, USS वॉशिंगटन, जो हाल ही में वियतनाम के दा नांग से निकला है और सिंगापुर जलडमरूमध्य व मलक्का जलडमरूमध्य से होकर गुजरा है, अब हिंद महासागर की ओर बढ़ रहा है। द गार्जियन और द हिल की रिपोर्ट्स के मुताबिक, कई ऐसी घटनाएं हुई हैं जहां नाविकों ने समुद्र में कूदने का विचार किया या कोशिश की। कम से कम एक क्रू मेंबर को दूसरे नाविक ने ऐसा करने से रोका था।अब उन नाविकों के परिवारों ने भी जहाज पर मौजूद लोगों में आत्महत्या के विचारों को लेकर चिंता जताई है। डेमोक्रेटिक सांसद माइक लेविन ने जहाज पर तैनात नौसैनिकों की स्थिति का वर्णन करते हुए कहा था कि फफूंद वाले शावर, टूटे शौचालय, हफ्तों से बंद लॉन्ड्री, लंबे समय तक गर्म पानी का ना होना और भोजन के नाम पर सिर्फ आधा कप चावल और दो टॉर्टिला। उन्हें न साबुन, न डियोड्रेंट, और न ही टूथपेस्ट उपलब्ध है। पिछले गुरुवार को सैन डिएगो में करीब 200 परिजनों की टाउन हॉल बैठक हुई।

खेल समाचार

टीम इंडिया को लगा बड़ा झटका, एशिया कप और एशियन गेम्स से बाहर हुईं जेमिमा

भारतीय महिला क्रिकेट टीम को आगामी एशिया कप और उसके बाद होने वाले एशियन गेम्स से पहले एक बड़ा झटका स्टार खिलाड़ी जेमिमा रोड्रिग्स के रूप में लगा है। इंग्लैंड में खेली जा रही द हंड्रेड टूर्नामेंट में जेमिमा को हैमस्ट्रिंग की दिक्कत हुई थी जिसके बाद वह उससे बाहर हो गई थी।

अब जेमिमा आगामी एशिया कप और एशियन गेम्स से भी अपनी इस इंजरी के चलते बाहर हो गई हैं, जिसको लेकर बीसीसीआई ने आधिकारिक ऐलान कर दिया है।

बीसीसीआई की तरफ से जारी की प्रेस रिलीज में उन्होंने जेमिमा की जगह पर रिप्लेसमेंट प्लेयर के नाम के नाम का ऐलान कर दिया है जिसमें प्रतिका रावल को एशिया कप के स्क्वाड में शामिल किया गया है।

भारतीय महिला टीम को एशिया कप 2026 में अपना पहला मुकाबला 30 अगस्त को थाईलैंड के खिलाफ खेलेगी, 3 सितंबर को हांगकांग चाइना और 5 सितंबर को पाकिस्तानी महिला टीम के खिलाफ मुकाबला खेलेगी।

जेमिमा रोड्रिग्स को लेकर बीसीसीआई ने जो जानकारी दी है उसमें उन्होंने बताया कि 3 अगस्त को इंग्लैंड में द हंड्रेड टूर्नामेंट के दौरान दाहिने पैर की हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस जेमिमा की इस इंजरी की जांच की और उसमें हाई-ग्रेड टियर यानी गंभीर चोट सामने आई।

हॉकी वर्ल्ड कप में 15 अगस्त को टीम इंडिया करेगी अपने अभियान का आगाज

हॉकी वर्ल्ड कप का आगाज 15 अगस्त से होगा जिसमें इस बार टूर्नामेंट बेल्जियम और नीदरलैंड की संयुक्त मेजबानी में खेला जा रहा है। भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीम को लेकर फैंस की सबसे ज्यादा नजरें रहने वाली हैं, जिसमें उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। भारतीय पुरुष हॉकी टीम को पूल-डी में जगह मिली है, जिसमें उसके साथ इंग्लैंड के अलावा वेल्स और पाकिस्तान की टीम है। भारतीय टीम अपने अभियान का आगाज 15 अगस्त को होने वाले वेल्स के खिलाफ मुकाबले के साथ करेगी जिसमें उसके लिए ग्रुप स्टेज के तीनों मैच काफी अहम रहने वाले हैं। इस बार हॉकी वर्ल्ड कप में पुरुष और महिला दोनों ही टूर्नामेंट में 16-16 टीमें हिस्सा ले रही हैं। भारत में हॉकी वर्ल्ड कप का सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जाएगा। भारतीय पुरुष हॉकी टीम का हॉकी वर्ल्ड कप 2026 में पहला मैच वेल्स की टीम के खिलाफ होगा जिसमें ये मुकाबला वैगनर हॉकी स्टेडियम एम्स्टेलवीन में खेला जाएगा। इस मैच की शुरुआत भारतीय समयानुसार दोपहर 4:30 पर होगी। इस मुकाबले का सीधा प्रसारण भारतीय फैंस टीवी पर स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर देख सकते हैं तो वहीं मैच की लाइव स्ट्रीमिंग जियो हॉटस्टार पर की जाएगी। वर्ल्ड कप में इससे पहले टीम इंडिया ने वेल्स के खिलाफ 2003 में मुकाबला खेला था और उसे जीतने में कामयाब रहे थे। टीम इंडिया के लिए सबसे बड़ी चुनौती 51 साल के सूखे को खत्म करने की रहने वाली है।

न्यूजीलैंड फुटबॉल ने फीफा प्रमुख से समर्थन वापस लिया, इन्फेंटिनो की मुश्किल बढ़ी

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड फुटबॉल (एनजेडएफ) ने घोषणा की है कि उसने 2027 फीफा कांग्रेस में फीफा अध्यक्ष के तौर पर जियानी इन्फेंटिनो की उम्मीदवारी के लिए अपना समर्थन आधिकारिक तौर पर वापस ले लिया है। साथ ही, फीफा फॉरवर्ड एंटरप्राइज (एफएफई) स्कीम के स्वतंत्र समीक्षा की भी मांग की है। न्यूजीलैंड फुटबॉल हालिया ऐसा संस्थान है जिसने आधिकारिक तौर पर इन्फेंटिनो का फीफा से अगले अध्यक्ष पद पर समर्थन से इनकार कर दिया है। इससे इन्फेंटिनो की मुश्किल निश्चित रूप से बढ़ी है। इन्फेंटिनो अगले साल फिर से चुनाव लड़ना चाहते हैं। उन्होंने विश्व कप के कमर्शियल राइट्स को अलग करने और 20 प्रतिशत निजी निवेश को बेचकर लगभग 7.2 बिलियन यूएसडी जुटाने का प्रस्ताव रखा था। आलोचना के बाद उन्हें अपनी योजना वापस लेनी पड़ी। न्यूजीलैंड फुटबॉल ने एक बयान में कहा, "ध्यान से सोचने के बाद, एनजेडएफ का मानना है कि फीफा के फैसलों और कामों की वजह से अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में भरोसा टूटा है और फूट बढ़ी है। भरोसा और विश्वास वापस लाने के लिए एक स्वतंत्र समीक्षा की जरूरत है।"

मेरा आखिरी विश्व कप हो सकता है, पदक का सूखा खत्म करने का इरादा: मनप्रीत सिंह

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी टीम के अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह ने कहा है कि एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप 2026 उनके करियर का आखिरी विश्व कप हो सकता है। मनप्रीत ने कहा कि वह विश्व कप को जीतकर इसे यादगार बनाना चाहते हैं। मनप्रीत ने जियोस्टार पर कहा, "यह विश्व कप मेरे लिए बहुत मायने रखता है। यह मेरा चौथा विश्व कप है। हमने लगातार दो ओलंपिक पदक जीते हैं, लेकिन विश्व कप पदक अभी भी बाकी है। हर खिलाड़ी का सपना होता है कि दोनों हों। मेरे लिए, यह मेरा आखिरी विश्व कप हो सकता है, इसलिए मैं इसी सोच के साथ इसे खेल रहा हूं। मैंने वह हासिल करने का पक्का इरादा कर लिया है जो हमने अभी तक नहीं किया है।" उन्होंने कहा, "टीम के पास आगे बढ़ने के लिए अनुभव और प्रतिभा है। हमने अच्छी तैयारी की है, और भरोसा बहुत है। भारतीय खेल हर जगह आगे बढ़ रहे हैं। हॉकी भी अलग नहीं है। हमने ओलंपिक पदक जीते हैं, और अब वर्ल्ड कप में आगे बढ़ने का समय है।" मनप्रीत ने कहा, "मुझे इस टीम पर पूरा भरोसा है। हमारी टीम में युवा और अनुभव का अच्छा बैलेंस है। हमारे कप्तान हरमनप्रीत सिंह, मंदीप सिंह और मैंने युवा खिलाड़ियों के साथ अपनी सीख साझा की है कि क्या काम किया, क्या नहीं, और हर मैच को पूरे फोकस के साथ कैसे खेलना है। टूर्नामेंट में हर मैच जरूरी है। हमें सही मनोदशा के साथ उतरना होगा, हर विपक्षी का सम्मान करना होगा और जीतने के लिए खेलना होगा। हमारे कोच ने फिटनेस पर जोर दिया है क्योंकि हम जानते हैं कि फिट रहने से हमें श्रेष्ठ के खिलाफ मुकाबला करने में मदद मिलती है। हमने अपने डिफेंस पर भी कड़ी मेहनत की है। एक मजबूत डिफेंस हमें अटैक करने और गेम पर नियंत्रण रखने का आत्मविश्वास देता है।" कप्तान हरमनप्रीत सिंह के बारे में मनप्रीत ने कहा कि वह एक बेहतरीन कप्तान हैं। वह आगे बढ़कर टीम का नेतृत्व करते हैं और फील्ड पर सभी का मार्गदर्शन करते हैं। वह मुश्किल समय में खिलाड़ियों को प्रेरित भी करते हैं और दबाव में टीम को शांत रखते हैं। गेम को पढ़ने की उनकी क्षमता बेहतरीन है। उनकी पासिंग रेंज, चाहे लॉन्ग ओवरहेड्स हों या ग्राउंड पास, शानदार है। उन्होंने कहा, "वह अच्छी तरह संवाद करते हैं और डिफेंस को असरदार तरीके से व्यवस्थित करते हैं। वह दुनिया के बेस्ट ड्रैग-फ्लिकर्स में से एक हैं। उनके हिट्स में जबरदस्त ताकत और विविधता है, और जब टीम को उनकी सबसे ज्यादा जरूरत होती है, तो वह हमेशा आगे आते हैं। उनके जैसा कप्तान होने से पूरी टीम को आत्मविश्वास मिलता है।" मनप्रीत को भरोसा है कि इंडिया फाइनल में पहुंचेगी और ऐतिहासिक सफलता की उम्मीद रखती है। भारतीय टीम हॉकी विश्व कप 1975 में आखिरी बार पदक जीती थी। टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 में लगातार दो ओलंपिक पदक जीतने के बाद टीम इंडिया को उम्मीद है कि हॉकी विश्व कप 2026 में पदक का 51 साल का सूखा समाप्त होगा। मनप्रीत सिंह के लिए यह विश्व कप केवल एक और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता नहीं, बल्कि लंबे करियर में अधूरे रह गए एक बड़े लक्ष्य को पूरा करने का अवसर भी है। भारतीय टीम ने पिछले कुछ वर्षों में ओलंपिक स्तर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन विश्व कप में पदक नहीं जीत पाने का इंतजार अब भी कायम है। ऐसे में टीम के अनुभवी खिलाड़ियों की नजर इस बार उस कमी को दूर करने पर है। उन्होंने बताया कि टीम ने तैयारी के दौरान फिटनेस और रक्षात्मक संरचना पर विशेष ध्यान दिया है।

कैनेडियन ओपन: इगा स्वियाटेक ने जीता महिला एकल का खिताब, एलेना रायबाकिना 6-2, 6-3 से हारीं

टोरंटो। पौलेंड की इगा स्वियाटेक ने कैनेडियन ओपन 2026 महिला एकल का खिताब जीत लिया है। टोरंटो में खेले गए फाइनल मुकाबले में स्वियाटेक ने कजाकिस्तान की एलेना रायबाकिना को 6-2, 6-3 से हराकर खिताब अपने नाम किया। स्वियाटेक का इस सीजन का यह पहला खिताब है। टूर्नामेंट में जारी अपने शानदार फॉर्म को बरकरार रखते हुए पोलैंड की सातवीं सीड खिलाड़ी स्वियाटेक ने पहले सेट में ही बढ़त बना ली थी, जबकि दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी रायबाकिना ने लगातार दो डबल फॉल्ट पर ब्रेक पॉइंट गंवा दिया। स्वियाटेक के पहला सेट जीतने के लिए रायबाकिना की यह गलती काफी थी। दूसरे सेट में भी रायबाकिना को अपनी गलतियों का नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने दो मिस्ड बैकहैंड ने स्वियाटेक को एक और ब्रेक दिया। रयाबाकिना एक चैंपियनशिप पॉइंट बचाने में कामयाब रहीं, लेकिन स्वियाटेक ने पिछले सितंबर के बाद से अपना पहला खिताब हासिल करने के लिए दूसरे मौके को भुना लिया। स्वियाटेक के लिए यह जीत बेहद अहम है। यूएस ओपन की तैयारी कर रही स्वियाटेक का इस जीत के बाद आत्मविश्वास बढ़ेगा। लंबे समय से कोई खिताब न जीत पाने के कारण आलोचन का सामना कर रहीं स्वियाटेक ने खिताबी जीत के बाद कहा कि यह खिताब मेरे लिए बहुत मायने रखता है क्योंकि पिछले कुछ महीने बिल्कुल भी आसान नहीं रहे हैं। मैं बहुत खुश हूं कि मैंने आगे बढ़ने, अपने गेम को थोड़ा बदलने, इंटरनेट और ऑनलाइन पर ऑडियंस की मेरे बारे में हर समय बनी राय के बावजूद बेहतर होने पर फोकस किया है। इन सब से डील करना आसान नहीं है। मुझे खुशी है कि असलियत अलग है, मेरे आस-पास ऐसे लोग हैं जो हर सप्ताह और हर दिन मेरा समर्थन करते हैं। ये लोग यहां अपना बेस्ट करने और अपना बेस्ट देने के लिए हैं, जो मुझे पुश करता रहता है। उन्होंने कहा, "मैं यह खिताब उन सभी लोगों को समर्पित करना चाहती हूं जिन्हें गलत तरीके से जज किया जा रहा है या जिन्हें नफरत का सामना करना पड़ रहा है, चाहे वह खेल में हो या जिंदगी के किसी और क्षेत्र में। मुझे पता है कि यह कितना भारी लग सकता है। सच कहूं तो, उन विचारों को पावर देना सही नहीं है, और यह जानना जरूरी है। हां, हम यहां हैं।"

कैनेडियन ओपन: झांग शुआई और कैटरीना सिनियाकोवा ने महिला डबल्स का खिताब जीता

टोरंटो। टॉप सीड चीन की झांग शुआई और चेक रिपब्लिक की कैटरीना सिनियाकोवा ने कैनेडियन ओपन महिला डबल्स का खिताब जीत लिया है। फाइनल में झांग और सिनियाकोवा की जोड़ी ने तीसरी सीड सारा एरानी और निकोल मेलिचर-मार्टिनेज को हराया। झांग शुआई और कैटरीना सिनियाकोवा की जोड़ी ने एरानी और मार्टिनेज को 6-3, 6-4 से हराया। जीत के साथ ही ये जोड़ी 2017 में एकातेरिना मकारोवा और एलेना वेस्नीना के बाद कैनेडियन ओपन का महिला डबल्स खिताब बिना कोई सेट गंवाए जीतने वाली पहली टीम बन गईं। सिनियाकोवा और झांग की जीत के सिलसिले में पहले तीन राउंड में हर बार कम से कम एक ग्रैंड स्लैम चैंपियन के खिलाफ जीत शामिल थी। सिनियाकोवा और झांग की जोड़ी ने सोराना सिर्स्टिया और मिरा एंड्रीवा के खिलाफ शुरुआती जीत हासिल की, इसके बाद कोको गॉफ और कैटी मैकनेली के खिलाफ 6-0, 6-4 से दूसरे राउंड में जीत हासिल की, इसके बाद क्वार्टर फाइनल में उन्होंने स्टॉर्म हंटर और डेसिरेट क्रावजिक को हराया। डब्ल्यूटीए टूर की दो सबसे मशहूर डबल्स खिलाड़ियों ने अकेले टीम के तौर पर अपना तीसराऔर डब्ल्यूटीए 1000 स्तर पर पहला खिताब जीता। यह खिताब इस साल टूर पर झांग की चौथी डबल्स ट्रॉफी और उनके करियर की 19वीं ट्रॉफी थी। इस बीच, सिनियाकोवा ने इस सीजन की अपनी चौथी डब्ल्यूटीए 1000 ट्रॉफी और चीनी खिलाड़ी के साथ पहली ट्रॉफी जीती। जीत के बाद झांग ने कहा, "हमने कई मजबूत विरोधियों के साथ खेला, जिसमें ग्रैंड स्लैम चैंपियन भी शामिल थे, चाहे वह एकल हो, डबल्स हो या मिश्रित डबल्स। हमने बहुत ऊंचे स्तर पर लगातार बहुत अच्छा खेला था।" झांग ने पूरे टूर्नामेंट में अपना बेस्ट टेनिस खेलने में मदद करने का श्रेय सिनियाकोवा को दिया। उन्होंने कहा, "मुझे कहना होगा कि मेरे पार्टनर ने सच में मेरी बहुत मदद की। इसी वजह से हम इतना अच्छा प्रदर्शन कर पाए और परिणाम हासिल कर पाए। हम हर दिन बेहतर हो रहे हैं, और इससे हम दोनों बहुत खुश हैं।"

पहली बार एक साथ हो रहा महिला और पुरुष हॉकी वर्ल्ड कप का आयोजन

FIH हॉकी वर्ल्ड कप का आगाज 15 अगस्त से होगा जिसका इंतजार फैंस काफी बेसब्री से कर रहे हैं। पहली बार महिला और पुरुष हॉकी वर्ल्ड कप का आयोजन एक साथ किया जा रहा है, जिसमें 16 दिनों तक चलने वाले दोनों टूर्नामेंट में कुल 50 मुकाबले खेले जाएंगे। इस बार हॉकी वर्ल्ड कप की मेजबानी बेल्जियम और नीदरलैंड संयुक्त रूप से मिलकर रहे हैं, जिसमें पुरुष और महिला दोनों में कुल 16-16 टीमें हिस्सा ले रही हैं। वर्ल्ड कप के मुकाबले 2 वेन्यू पर खेले जाएंगे जिसमें फॉर्मेट में थोड़ा बदलाव किया गया है।

पहला ग्रुप स्टेज उसके बाद क्रॉसओवर पूल फिर सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

बेल्जियम और नीदरलैंड की संयुक्त मेजबानी में खेले जाने वाले हॉकी वर्ल्ड कप में पुरुष और महिला दोनों टूर्नामेंट में भारतीय टीम हिस्सा ले रही है। पुरुष इवेंट में भारतीय टीम को पूल-डी में जगह मिली है, जिसमें उसके साथ वेल्स, पाकिस्तान और इंग्लैंड की टीम है।

भारतीय पुरुष टीम अपने अभियान का आगाज का 15 अगस्त को होने वाले वेल्स के खिलाफ मुकाबले के साथ करेगी जिसमें यह मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 4:30 से शुरू होगा।

डेब्यू मैच में शतक, लेकिन भारत के लिए नहीं मिले पर्याप्त मौके, खिलाड़ी से ज्यादा बतौर कोच कमाया नाम

भारत के पूर्व बल्लेबाज प्रवीण आमरे ने खिलाड़ी से ज्यादा बतौर कोच नाम कमाया। उन्होंने अपने डेब्यू मुकाबले में ही साउथ अफ्रीका जैसे मजबूत गेंदबाजी अटैक के खिलाफ शतक लगाया। हालांकि, अच्छे प्रदर्शन के बावजूद उन्हें इंटरनेशनल स्तर पर अपनी काबिलियत दिखाने के पर्याप्त मौके नहीं मिले। प्रवीण आमरे का जन्म 14 अगस्त, 1968 को मुंबई में हुआ। प्रवीण एक साधारण परिवार से आते थे, तो शुरुआत में आर्थिक तंगी के चलते उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ा। प्रवीण ने क्रिकेट की बारीकियां सचिन तेंदुलकर को कोचिंग देने वाले कोच रमाकांत आरेकर की देखरेख में सीखी। घरेलू क्रिकेट में मुंबई का प्रतिनिधित्व करने के अलावा वह रेलवे, राजस्थान, बंगाल और गोवा की तरफ से भी खेले। 86 फर्स्ट क्लास मुकाबलों में प्रवीण ने 48 की औसत से खेलते हुए 5,815 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 17 शतक और 25 अर्धशतक निकले।

घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन के चलते उन्हें 1991 में पहली बार भारतीय टीम में जगह मिली। प्रवीण अपने डेब्यू मुकाबले में ही छाप छोड़ने में सफल रहे और उन्होंने 74 गेंदों में 55 रनों की दमदार पारी खेलते हुए भारतीय टीम को रोमांचक मैच में 3 विकेट से जीत दिलाई। टेस्ट क्रिकेट में भी प्रवीण का डेब्यू यादगार रहा और उन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ ही खेलते हुए 103 रनों की बेहतरीन पारी खेली। हालांकि, इस टेस्ट मैच का अंत ड्रॉ के रूप में हुआ। प्रवीण ने भारत के लिए कुल 11 टेस्ट मैच खेले और इस दौरान उनके बल्ले से 42 की औसत से 425 रन आए।

उन्होंने एक शतक और 3 अर्धशतक लगाए। वनडे क्रिकेट में उन्होंने कुल 37 मैच खेले और 513 रन बनाए। हालांकि, प्रवीण को टेस्ट में अच्छे प्रदर्शन के बावजूद पर्याप्त मौके नहीं मिले और उन्होंने भारतीय जर्सी में अपना आखिरी मुकाबला 1994 में खेला। हालांकि, बतौर कोच प्रवीण का करियर शानदार रहा।

डार्विन टेस्ट: ऑस्ट्रेलिया पर बांग्लादेश की पकड़ मजबूत, 153 रन की बढ़त बनाई

डार्विन। ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच डार्विन में खेले जा रहे पहले टेस्ट का दूसरा दिन समाप्त हो गया है। दूसरे दिन की समाप्ति के समय बांग्लादेश ने 153 रन की बढ़त बनाकर ऑस्ट्रेलिया पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। बांग्लादेश ने दूसरे दिन के खेल की शुरुआत 1 विकेट के नुकसान पर 96 रन से शुरू की थी। दूसरे दिन बांग्लादेशी बल्लेबाजों ने बेहतरीन बल्लेबाजी की और पूरे दिन ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा। बांग्लादेश की तरफ से दो बेहतरीन पारियां देखने को मिलीं। सलामी बल्लेबाज तंजिद हसन ने 197 गेंदों पर 101 रन की पारी खेली। ऑस्ट्रेलियाई धरती पर किसी बांग्लादेशी बल्लेबाज का यह सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। हसन ने अपने दूसरे ही टेस्ट में पहला शतक लगाया है। इसके अलावा कप्तान नजमुल हसन शांतो ने 84 रन की पारी खेली। शांतो शतक से चूक गए, लेकिन उनकी पारी बांग्लादेश को बढ़त दिलाने में अहम रही है। मोमिनूल हक 49, मुशफिकुर रहमान 36 रन बनाकर आउट हुए। मेहदी हसन मिराज 32 और हसन महमूद 13 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से सर्वाधिक 71 रन की पारी पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ ने खेली।

दांतों का पीलापन : बेकिंग सोडा से नींबू तक, जानिए किसका है फायदा और किससे हो सकता है नुकसान

सफेद और चमकदार दांत हर किसी को अच्छे लगते हैं। हंसते समय साफ दांत चेहरे की खूबसूरती बढ़ाते हैं और आत्मविश्वास भी बढ़ाते हैं। यही वजह है कि आजकल सोशल मीडिया पर दांतों को जल्दी सफेद करने के कई घरेलू तरीके बताए जाते हैं। कोई बेकिंग सोडा से दांत साफ करने की सलाह देता है, तो कोई नींबू, हल्दी या सिरके का इस्तेमाल करने की बात करता है। कई वीडियो में तो यह तक दावा किया जाता है कि कुछ ही मिनटों में दांतों का पीलापन दूर किया जा सकता है। लेकिन दांतों का रंग बदलना इतना आसान नहीं होता। कुछ घरेलू चीजें दांतों के ऊपर जमा हल्के दाग को थोड़ी देर के लिए कम कर सकती हैं, लेकिन इससे दांत अंदर से सफेद नहीं होते। इसलिए दांतों को सफेद करने से पहले यह समझना जरूरी है कि उनका रंग क्यों बदलता है और अलग-अलग घरेलू चीजें दांतों पर क्या असर डालती हैं। दांतों के पीले दिखने की सबसे आम वजह खाने-पीने की चीजें हो सकती हैं। चाय, कॉफी, तंबाकू और कार्बोनेटेड पेय पदार्थों में मौजूद वर्णक दांतों की इनेमल सतह पर चिपक जाते हैं। नियमित रूप से मुंह और दांतों की उचित स्वच्छता न अपनाने पर यह वर्णक स्थायी रूप से पीले या भूरे दागों में बदल जाते हैं। उम्र बढ़ने के साथ भी दांतों का रंग बदलना सामान्य है। दांतों के बाहर एक मजबूत परत होती है, जिसे इनेमल कहते हैं। समय के साथ यह परत थोड़ी पतली हो जाती है। इसके नीचे डेंटिन नाम की परत होती है, जिसका रंग प्राकृतिक रूप से हल्का पीला होता है। इनेमल पतला होने पर डेंटिन ज्यादा दिखाई देता है और दांत पीले लग सकते हैं। ऐसी स्थिति में सिर्फ ऊपर से दाग साफ करने से दांत पूरी तरह सफेद नहीं होते। बात करें अगर बेकिंग सोडा की, तो बेकिंग सोडा दांतों को साफ करने वाले कई टूथपेस्ट में भी इस्तेमाल होता है।

यूरिक एसिड में फायदा करता है ये लाल जूस, जोड़ों में जमा क्रिस्टल को कर देता है चकनाचूर

खून में यूरिक एसिड की मात्रा को कंट्रोल रखना बहुत जरूरी है। यूरिक एसिड हमारे शरीर में पाया जाने वाला एक नॉर्मल अपशिष्ट प्रोडक्ट है जो प्यूरीन नामक केमिकल के टूटने से बनता है। प्यूरीन सभी के शरीर में नेचुरली पाया जाने वाला एक प्राकृतिक पदार्थ है। प्यूरीन कई खाने-पीने की चीजों में पाया जाता है जैसे प्रोटीन वाला भोजन, शेलफिश या शराब। ऐसे में जब शरीर में प्यूरीन की मात्रा बढ़ती है तो जोड़ों में ये क्रिस्टल के रूप में जमा होने लगता है। यूरिक एसिड बढ़ने पर जोड़ों में दर्द, शरीर में दर्द बढ़ जाता है। शरीर में सूजन आ जाती है जो गाउट की समस्या को गंभीर बना देती है। हालांकि डाइट में कुछ चीजों को शामिल करने से यूरिक एसिड को कंट्रोल किया जा सकता है। यूरिक एसिड को कंट्रोल करने वाले खाद्य पदार्थों में अनार भी शामिल है। लाल रंग का अनार का जूस पीने से यूरिक एसिड के स्तर को काफी हद तक कम किया जा सकता है। अनार के जूस में भरपूर आयरन पाया जाता है और इससे खून में यूरिक एसिड की मात्रा कम होती है। यूरिक एसिड को कंट्रोल करने में अनार का जूस फायदेमंद साबित होता है। अनार में भरपूर साइट्रिक और मैलिक एसिड होता है जिससे यूरिक एसिड कंट्रोल रहता है। अनार का जूस पीने से गाउट के मरीज को होने वाली सूजन और दर्द भी कम होता है। रोज अनार का जूस पीने से किडनी की समस्याएं भी कम होने लगती हैं। अनार को छीलकर दाने निकाल लें। अब एक ब्लैंडर में अनार के दाने डालें और इसमें आधा कप पानी डाल दें। ब्लैंडर में इसे तब तक पीसते रहें जब तक कि बारीक प्यूरी बनकर तैयार न हो जाए। अब इसे किसी बारीक छन्नी से छान लें और इस जूस में थोड़ा काला नमक मिला लें। इसे आइस क्यूब्स डालकर ठंडा कर सकते हैं। इस तरह फटाफट अनार का जूस तैयार करके पी सकते हैं। हालांकि अनार को संतुलित आहार का हिस्सा बनाया जा सकता है, लेकिन केवल अनार का रस पीने से बढ़े हुए यूरिक अम्ल को निश्चित रूप से नियंत्रित करने का दावा करना सही नहीं है। गाउट या यूरिक अम्ल की समस्या में खान-पान के साथ शरीर का वजन, पर्याप्त पानी पीना और चिकित्सकीय सलाह भी महत्वपूर्ण होती है। यूरिक अम्ल बढ़ने की स्थिति में पानी की पर्याप्त मात्रा लेना खास तौर पर जरूरी माना जाता है। पर्याप्त पानी शरीर से अपशिष्ट पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है। आहार में फलों और सब्जियों को उचित मात्रा में शामिल करना भी फायदेमंद हो सकता है।

हर समय मीठा खाने का करता है मन, शरीर में हो सकती है ये गड़बड़ी

खाना खाने के बाद अक्सर लोगों को कुछ मीठा खाने का मन करता है। इससे मूड भी अच्छा रहता है और शरीर को तुरंत एनर्जी भी मिलती है। यही वजह है कि थकान या ज्यादा भूख लगने पर कई लोगों को मीठी चीजें खाने की इच्छा होने लगती है। लेकिन अगर आपको दिन में बार-बार मीठा खाने का मन करता है और बिना मीठा खाए मन नहीं मानता, तो इसे सिर्फ अपनी पसंद समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। बार-बार मीठा खाने की इच्छा के पीछे कई बड़ी वजहें हो सकती हैं। कभी नींद पूरी न होने या ज्यादा तनाव के कारण भी मीठा खाने की क्रेविंग बढ़ जाती है। कुछ लोगों में यह शरीर में शुगर बढ़ने से जुड़ी परेशानी का संकेत भी हो सकता है। अगर आप कई घंटों तक कुछ नहीं खाते हैं, तो शरीर को तुरंत एनर्जी देने वाली चीज खाने का मन करता है, ऐसे समय में मीठी चीजें ज्यादा अच्छी लगती हैं। लेकिन मीठा खाने से मिली एनर्जी ज्यादा देर तक नहीं रहती। कुछ समय बाद फिर भूख लग सकती है। ऐसे में बार-बार मिठाई, बिस्कुट, चॉकलेट या मीठे पेय लेने से शरीर में जरूरत से ज्यादा कैलोरी पहुंच सकती है और वजन बढ़ने की परेशानी हो सकती है। इसलिए कोशिश करें कि बहुत लंबे समय तक खाली पेट न रहें और समय पर संतुलित खाना खाएं। कई बार हम पेट भरने के लिए खाना तो खा लेते हैं, लेकिन खाने में शरीर के लिए जरूरी चीजें कम होती हैं। अगर भोजन में दाल, दूध, दही, अंडे जैसी प्रोटीन वाली चीजें और सब्जियां, फल या साबुत अनाज कम हैं, तो पेट जल्दी खाली लग सकता है। ऐसे में बार-बार कुछ खाने और खासकर मीठा खाने की इच्छा होती है। इसलिए रोज के खाने में दाल, सब्जियां, फल, साबुत अनाज और अपनी जरूरत के हिसाब से प्रोटीन वाली चीजें जरूर शामिल करें। कम सोने से दिनभर थकान और कमजोरी महसूस हो सकती है।

30 के बाद बढ़ने लगी है कमजोरी? इन हाई प्रोटीन फूड्स से शरीर को मिलेगी गजब की एनर्जी

30 की उम्र के बाद हर दस साल में मसल्स तीन से पांच प्रतिशत अपने आप कम होने लगता है। आपको जब तक पता चलता है तब तक सीढ़ियां चढ़ना उतरना मुश्किल हो सकता है, हाथ की ग्रीप ढीली पड़ चुकी होती है। बता दें, इस स्थिति को सारकोपेनिया कहते हैं। ऐसे में इसका एक ही उपाय है प्रोटीन। आयुर्वेदिक डॉक्टर सलीम यू ट्यूब पर वीडियो शेयर कर कहते हैं कि प्रोटीन शरीर की कोशिकाओं की मरम्मत करने, मांसपेशियों को मजबूत बनाए रखने और लंबे समय तक एनर्जी देने में अहम भूमिका निभाता है। ऐसे में आप हाई प्रोटीन के लिए डाइट में इन कुछ फूड्स को शामिल करें।

काला चनाः 100 ग्राम काले चने में 22 ग्राम प्रोटीन होता है। यानी लगभग तीन अंडों के बराबर। साथ ही इसमें आयरन भी पाया जाता है जो खून को बढ़ाता है। रात को 50 ग्राम चने को भिगोकर रखें और सुबह उसे उबालकर सेवन करें।

अंडेः अंडे को प्रोटीन का बेहतरीन स्रोत माना जाता है। इसमें सभी जरूरी अमीनो एसिड पाए जाते हैं, जो मसल्स को मजबूत बनाने और शरीर को ऊर्जा देने में मदद करते हैं।

मूंग दालः अगर आपकी पाचन क्षमता कमजोर है तो अपनी डाइट में मूंग दाल को शामिल करें। 100 ग्राम मूंग दाल में 24 ग्राम प्रोटीन होता है। इस दाल की शबे बड़ी खासियत यह है कि यह आसानी से पच जाती है। तो अगर आपको गैस की समस्या है तो चने की जगह मूंग का सेवन करें।

पनीरः शाकाहारी लोगों के लिए पनीर प्रोटीन का शानदार विकल्प है। यह कैल्शियम और अन्य पोषक तत्वों से भी भरपूर होता है, जो हड्डियों और मांसपेशियों के लिए फायदेमंद हैं।

सोयाबीनः 100 ग्राम सोयाबीन के अंदर 36 ग्राम प्रोटीन होता है। यह प्लांट से मिलने वाले प्रोटीन का सबसे अच्छा स्रोत माना जाता है। यह शाकाहारी लोगों के लिए एक संपूर्ण प्रोटीन स्रोत माना जाता है।

दहीः दही में प्रोटीन के साथ प्रोबायोटिक्स भी होते हैं, जो पाचन को बेहतर बनाने और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करते हैं।

उम्र बढ़ने के साथ मांसपेशियों की ताकत और कार्यक्षमता को बनाए रखना जरूरी हो जाता है।

सेहत के लिए वरदान से कम नहीं भिंडी, डॉक्टर शुभम वत्स ने बताए इसके हेल्थ बेनिफिट्स

हरी सब्जियों का जिक्र होते ही हमारी रसोई और थाली में सबसे पसंदीदा नाम जो दिमाग में आता है, वह है भिंडी। भारत के लगभग हर घर में पसंद की जाने वाली यह सब्जी न केवल अपने अनोखे स्वाद और झटपट बनने वाले अंदाज के लिए मशहूर है, बल्कि यह सेहत के लिहाज से भी एक बेहतरीन ऑप्शन है। चाहे कुरकुरी 'भरवा भिंडी' हो, प्याज के साथ बनी सादी 'भिंडी दो प्याजा', या फिर मूंगफली और मसालों के साथ भुनी हुई सूखी सब्जी—भिंडी हर रूप में लाजवाब लगती है। दाल-चावल के साथ सूखी मसालेदार भिंडी का कॉम्बिनेशन भारतीय खान-पान की शान माना जाता है। लेकिन शायद आपको मालूम नहीं है कि भिंडी सेहत के लिए कितना फायदेमंद है। डॉक्टर शुभम वत्स के अनुसार, भिंडी पोषक तत्वों का खजाना है। इसमें विटामिन C, A, K, बी-कॉम्प्लेक्स, मैग्नीशियम, पोटैशियम, कैल्शियम और प्रचुर मात्रा में फाइबर पाया जाता है। यदि आप भिंडी का नियमित रूप से सेवन करते हैं, तो यह कई गंभीर बीमारियों से बचा सकते हैं। आइए जानते हैं क्या है भिंडी के फायदे। भिंडी में घुलनशील और अघुलनशील दोनों प्रकार के फाइबर प्रचुर मात्रा में होते हैं। डॉक्टर शुभम वत्स बताते हैं कि भिंडी में मौजूद 'म्यूसिलेज' पाचन नली को चिकना बनाता है और आंतों की सफाई करने में मदद करता है। इससे कब्ज, गैस और एसिडिटी जैसी समस्याओं से तुरंत राहत मिलती है। भिंडी एक बेहतरीन 'प्रीबायोटिक' की तरह काम करती है। यह आंतों में मौजूद अच्छे बैक्टीरिया को पोषण देती है। गलत पाचन के कारण पेट में गैस और भारीपन जैसी समस्याएं होने लगती हैं।

मोबाइल की लत के कारण एक्ट्रेस को करानी पड़ी गर्दन की सर्जरी, लोगों की दी चेतावनी

एक्ट्रेस और यूट्यूबर शकीला ने हाल ही में अपनी सेहत से जुड़ा एक डरावना अनुभव शेयर किया है। उन्होंने बताया कि लंबे समय तक मोबाइल चलाने और गलत पॉश्चर में रहने के बाद उन्हें गर्दन की सर्जरी करानी पड़ी, जिस पर करीब 3 लाख रुपये खर्च हुए। शकिला ने अपने यूट्यूब चैनल पर शेयर किए एक वीडियो में बताया कि वह कई-कई घंटे मोबाइल पर गेम खेलती थीं और वीडियो देखती थीं। इस दौरान वह अक्सर बेड पर गलत पोजीशन में लेटकर मोबाइल चलाती थीं। फिलहाल शकीला सर्जरी के बाद ठीक हो रही हैं और डॉक्टर ने उन्हें नेक कॉलर पहनने की सलाह दी है। उन्होंने अपने अनुभव को मजाकिया अंदाज में शेयर करते हुए लोगों, खासकर माता-पिता को बच्चों और खुद के ज्यादा मोबाइल इस्तेमाल को लेकर सावधान रहने की सलाह दी। एक्सपर्ट्स का कहना है कि मोबाइल के ज्यादा इस्तेमाल और गर्दन की गंभीर बीमारी के बीच संबंध को समझते समय सावधानी जरूरी है। फरीदाबाद के अमृता हॉस्पिटल में ऑर्थोपेडिक्स और स्पाइन सर्जरी के कंसल्टेंट एवं असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर अर्चित गोयल ने बताया कि गर्दन की गंभीर समस्या हमेशा गिरने या किसी चोट के कारण ही शुरू हो, ऐसा जरूरी नहीं है। डॉक्टर के मुताबिक, लंबे समय तक गर्दन को आगे या एक तरफ झुकाकर रखने से गर्दन की रीढ़ पर लगातार दबाव पड़ सकता है। ऐसी स्थिति में गर्दन को संभालने वाली मांसपेशियों पर लगातार दबाव रहता है। साथ ही रीढ़ की हड्डी के बीच की डिस्क, जोड़ों और लिगामेंट्स पर भी बार-बार तनाव पड़ सकता है। डॉक्टर गोयल ने इस बारे में सावधानी बरतने की सलाह दी है।

लघु वज्रासन रोज करें, सांस गहरी होगी और शरीर बनेगा लचीला

योग हमारी प्राचीन संस्कृति का अभिन्न अंग है, जो साधक को मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत करता है। योग के इन्हीं आसनों में से एक महत्वपूर्ण आसन है 'लघु वज्रासन'। यह आसन पाचन तंत्र, रीढ़ की हड्डी और मानसिक एकाग्रता के लिए बहुत लाभकारी माना जाता है। लघु वज्रासन संस्कृत के तीन शब्दों से बना हैः लघु (छोटा, हल्का, कोमल), वज्र (बिजली, हीरा, इंद्र का वज्र) और आसन (मुद्रा)। अंग्रेजी में इस आसन को लिटिल थंडरबोल्ट पोज कहते हैं। इस आसन को करने के दौरान शरीर पीछे की तरफ मुड़ता है। इसमें छाती को बहुत ज्यादा खोलना पड़ता है, जांघों की मांसपेशियों में गहरा खिंचाव आता है और सिर को शरीर के पीछे जमीन के पास लाने के लिए कंधे और गर्दन की ताकत चाहिए होती है। नाम में भले ही "लघु" यानी छोटा लगा हो, लेकिन शारीरिक रूप से यह बिल्कुल भी आसान नहीं है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, लघु वज्रासन एक उन्नत पीठ झुकाने वाली योग मुद्रा है, जो रीढ़ की हड्डी और पीठ के लचीलेपन के लाभदायक है। यह जांघों, कूल्हों, छाती, हाथों, गर्दन और कंधों की मांसपेशियों को असरदार तरीके से स्ट्रेच और मजबूत करता है, जिससे रीढ़ की हड्डी में लचीलापन और मूवमेंट की रेंज बढ़ती है। घुटनों, टखनों या कमर में गंभीर दर्द होने पर इस आसन से बचें।

डायबिटिक कीटोएसिडोसिस (DKA) क्या है, शुगर के मरीज के लिए खतरनाक कंडीशन

डायबिटिक कीटोएसिडोसिस (Diabetic Ketoacidosis) यानी DKA डायबिटीज की एक गंभीर और संभावित रूप से जानलेवा इमरजेंसी कंडीशन है। डॉक्टर राजीव चौधरी (डायरेक्टर इंटरनल मेडिसिन, यथार्थ हॉस्पिटल फ़रीदाबाद) के मुताबिक, यह तब होता है जब शरीर में इंसुलिन की पर्याप्त मात्रा नहीं होती। ऐसी स्थिति में ग्लूकोज कोशिकाओं के लिए ऊर्जा के रूप में इस्तेमाल नहीं हो पाता और शरीर ऊर्जा के लिए फैट तोड़ना शुरू कर देता है। इससे कीटोन्स नामक एसिडिक पदार्थ बनते हैं, जो खून में जमा होकर शरीर के एसिड बेस बैलेंस को बिगाड़ सकते हैं। यह स्थिति टाइप-1 डायबिटीज में अधिक आम है, लेकिन टाइप-2 डायबिटीज वाले मरीजों में भी DKA हो सकता है। कई बार DKA किसी ऐसे व्यक्ति में भी डायबिटीज का पहला संकेत हो सकता है, जिसे पहले बीमारी का पता ही न हो। डॉक्टर राजीव ने बताया कि इंसुलिन की डोज मिस करना, इंसुलिन की जरूरत बढ़ जाना, गंभीर संक्रमण या अन्य बीमारी होने पर ऐसा हो सकता है। डायबिटीज के मरीजों में बीमारी या संक्रमण के दौरान डायबिटिक कीटोएसिडोसिस का जोखिम बढ़ सकता है। सबसे अहम बात यह है कि DKA को घर पर मैनेज करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।

बाजू की लटकती और झूलती चर्बी से हैं परेशान, इन एक्सरसाइज़ से Arm Fat से मिलेगा छुटकारा

आर्म्स स्ट्रेचिंगः आर्म्स का लटकता और झूलता हुआ चर्बी कम करने के लिए सबसे पहले रोज़ाना 15 मिनट तक आर्म्स स्ट्रेचिंग करें। यह आपको दिखने म मामूली लगे लेकिन हाथों का एक्स्ट्रा फैट कम करने में बेहद लाभकारी है। आर्म्स स्ट्रेचिंग से हाथों का लचीलापन तेजी से बढ़ता है और एक्स्ट्रा फैट कम होता है।

प्लैंकः प्लैंक ऐसा एक्सरसाइज़ है जो आपके पूरे बॉडी फैट को कम करने के लिए जाना जाता है। अगर आप इसे रेगुलर करते हैं तो आपका हाथ का फैट भी तेजी से कम होता है। सबसे पेट की बगल लेट जाएँ। अब, धीरे से अपना शरीर उठाएं। अपने हाथों को कंधे के समानांतर में रखें। पैर की उंगलियों को फर्श पर रखें और एड़ी को उठाएं। नीचे फर्श की तरफ देखें। आपका सिर पीठ के साथ सीधा होना चाहिए। सांस रोककर 20 सेकंड तक रखें। आप अपने बाजू के फैट को कम करना चाहते हैं तो इस एक्सरसाइज़ को अपनी डेली रूटीन में ज़रूर करें शामिल।

बाइसेप्स कर्लः बाइसेप्स से बाजू पर जमे एक्स्ट्रा फैट को कम किया जा सकता है। इसे करने के लिए आप सीधे खड़ें हो जाएं। हाथों में डंबल लेकर सांस छोड़ते हुए डम्बल को ऊपर की तरफ उठाएं और कंधों तक ले कर जाएं।

दिल्ली में फैल रहा है स्वाइन फ्लू, जान लें इसके लक्षण क्या हैं और H1N1 से कैसे बचाव करें?

दिल्ली एनसीआर में एक बार फिर स्वाइन फ्लू का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। पिछले साल जहां 229 मामले दर्ज किए गए थे वहीं इस सीजन में अभी तक स्वाइन फ्लू के 14 से ज्यादा सामने आ चुके हैं। मामूली बुखार और वायरल जैसे लक्षणों वाला फ्लू खतरनाक हो सकता है। इसलिए बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों को खास सावधानी बरतनी चाहिए। फरीदाबाद के अमृता अस्पताल में पल्मोनोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉक्टर अर्जुन खन्ना के अनुसार, ये सिर्फ आंकड़े नहीं हैं बल्कि एक चेतावनी है कि इन्फ्लूएंजा दिल्ली-एनसीआर में तेजी से फैल रहा है। चिंता की बात ये है कि H1N1 को लोग एक सामान्य फ्लू वायरस मानकर खारिज कर देते हैं। हालांकि इसमें मजबूत रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले लोग और पूरी तरह से स्वस्थ लोग बिना किसी जटिलता के ठीक हो जाते हैं, लेकिन कमजोर लोगों में इन्फ्लूएंजा गंभीर हो सकता है और कुछ मामलों में तेजी से बिगड़ सकता है। H1N1 वायरल निमोनिया का कारण बन सकता है और अस्थमा और सीओपीडी जैसी पहले से मौजूद सांस की समस्याओं को बढ़ा सकता है। यह हार्ट संबंधी तनाव को भी बढ़ा सकता है और गंभीर मामलों में सांस लेने में मुश्किल का कारण बन सकता है। ऐसे में मरीज को अस्पताल में भर्ती या वेंटिलेटरी सपोर्ट की जरूरत होती है। इस वायरस से गर्भवती महिलाओं और छोटे बच्चों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। डायबिटीज, मोटापा, पुरानी हार्ट की बीमारी या फेफड़ों की बीमारी वालों को सतर्क रहने की जरूरत है। जिन लोगों की प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर है उनकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। शुरुआत में जो साधारण बुखार और खांसी लगती है, वह उन समूहों में बहुत जल्दी और बहुत ज्यादा खराब हो सकती है। H1N1 के लक्षण दूसरे संक्रमणों के लक्षणों से मिलते-जुलते हो सकते हैं। इन्फ्लूएंजा के साथ एक चुनौती यह है कि इसके लक्षण हमेशा साफ नहीं होते हैं। बुखार, खांसी, शरीर में दर्द, थकान और गले में खराश कोविड-19, डेंगू और अन्य सीजनल इंफेक्शन में भी हो सकते हैं। सिर्फ इसके लक्षणों के आधार पर पता लगाना मुश्किल हो जाता है। हालांकि कुछ लक्षणों के नजर आने पर बिना देरी किए तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए। इसमें जैसे लगातार तेज बुखार, सांस लेने में तकलीफ, सीने में तकलीफ, नींद नहीं आना, ऑक्सीजन की मात्रा में कमी आना या लक्षणों का शुरुआती सुधार के बाद बिगड़ जाना शामिल हैं। एक और चिंता की बात ये है कि फ्लू जैसे लक्षण दिखने पर एंटीबायोटिक्स का अनावश्यक उपयोग। H1N1 एक वायरस के कारण होता है, जिसका अर्थ है कि एंटीबायोटिक्स इसके खिलाफ प्रभावी नहीं हैं। डॉक्टर की सलाह के बिना एंटीबायोटिक्स लेने से इन्फ्लूएंजा संक्रमण का इलाज नहीं होगा। इन लोगों को सीजनल इंफेक्शन होने का खतरा ज्यादा रहता है।

लोकसभा की विशेषाधिकार समिति ने राहुल गांधी को जारी किया नोटिस, गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ टिप्पणी का मामला

लोकसभा की विशेषाधिकार समिति ने कांग्रेस सांसद और सदन में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को नोटिस जारी किया है। ये नोटिस गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ टिप्पणी को लेकर भाजपा सांसदों अनुराग ठाकुर और संजय जायसवाल द्वारा दायर विशेषाधिकार हनन की दो अलग-अलग शिकायतों के संबंध में जारी किया गया है। राहुल गांधी पर लोकसभा में एंटी पेपर लीक बिल पर चर्चा के दौरान गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ असंसदीय व अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगा है। दरअसल, भाजपा सांसद संजय जायसवाल ने 29 जुलाई को लोकसभा के स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखा था और राहुल गांधी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। संजय जायसवाल ने कहा था कि बिल पर चर्चा के दौरान अमित शाह के खिलाफ राहुल गांधी ने असंसदीय टिप्पणी की थी। स्पीकर ओम बिरला ने उनकी इस शिकायत को विशेषाधिकार समिति के पास भेज दिया था। इसके बाद 30 जुलाई को भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने भी अपनी शिकायत में गांधी पर असंसदीय और अपमानजनक भाषा के इस्तेमाल का आरोप लगाया था। उन्होंने राहुल गांधी के बयानों को विशेषाधिकार हनन और सदन की अवमानना करार दिया था। लोकसभा की विशेषाधिकार समिति के संयुक्त सचिव ने राहुल गांधी को पत्र भेजा है।

झोटवाड़ा में 17 वर्षीय छात्र की मौत के मामले में धरना दे रहे वार्ड 39 के चेयरमैन अजय चौहान गिरफ्तार

जयपुर। झोटवाड़ा स्थित महाराणा प्रताप स्कूल में कथित तौर पर पैटीज खाने के बाद 17 वर्षीय बच्चे की मौत के मामले में सोमवार को माहौल गरमा गया। घटना के विरोध में शांतिपूर्वक धरने पर बैठे वार्ड नंबर 39 के चेयरमैन अजय चौहान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि बच्चे की मौत के मामले में परिजन और स्थानीय लोग जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। इसी मांग को लेकर अजय चौहान भी धरने पर बैठे थे। धरने के दौरान पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया। घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए और यदि खाद्य पदार्थ की गुणवत्ता या स्कूल स्तर पर किसी प्रकार की लापरवाही सामने आती है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं, बच्चे की मौत के वास्तविक कारणों को लेकर जांच महत्वपूर्ण है। पुलिस और संबंधित विभाग की जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि मौत पैटीज खाने से हुई या इसके पीछे कोई अन्य चिकित्सकीय कारण था। मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के निष्कर्ष अहम होंगे। अजय चौहान की गिरफ्तारी के बाद स्थानीय लोगों में भी नाराजगी देखी गई। लोगों ने शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे जनप्रतिनिधि को गिरफ्तार किए जाने पर सवाल उठाते हुए पूरे मामले में पारदर्शी जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। घटना के बाद पुलिस प्रशासन की कार्रवाई को लेकर भी स्थानीय स्तर पर चर्चा तेज हो गई है। धरने पर बैठे अजय चौहान को हिरासत में लिए जाने के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने नाराजगी जताई और मामले में प्रशासन से स्पष्ट जानकारी देने की मांग की। लोगों का कहना है कि बच्चे की मौत बेहद गंभीर घटना है और इसके कारणों की निष्पक्ष जांच के साथ-साथ खाद्य पदार्थ की गुणवत्ता और स्कूल में उपलब्ध कराए जा रहे भोजन की व्यवस्था की भी जांच होनी चाहिए। स्थानीय लोगों के अनुसार, यदि जांच में यह सामने आता है कि बच्चे की तबीयत खराब होने के पीछे दूषित या खराब खाद्य पदार्थ की भूमिका थी, तो संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। वहीं, यदि जांच में कोई दूसरा चिकित्सकीय कारण सामने आता है, तो उसकी भी पूरी जानकारी सार्वजनिक की जानी चाहिए, ताकि किसी तरह की अफवाह या भ्रम की स्थिति न बने। मामले में स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो गई है। स्कूल परिसर में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, उनके रखरखाव, बिक्री और स्वच्छता संबंधी व्यवस्थाओं की जांच की जा सकती है। साथ ही यह भी देखा जा रहा है कि घटना के बाद विद्यालय प्रबंधन की ओर से क्या कदम उठाए गए और बच्चे की तबीयत बिगड़ने पर उसे समय पर चिकित्सा सहायता मिली या नहीं। बच्चे के परिजनों के लिए यह घटना बेहद पीड़ादायक है।

पंजाब के शख्स ने बताई 'डंकी' रूट की खौफनाक हकीकत, हाथ जोड़कर लोगों से की भावुक अपील

सोशल मीडिया पर एक सिख युवक का हैरान कर देने वाला वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में युवक दावा कर रहा है कि वह मैक्सिको में फंसा हुआ है। वह दूसरों से भावुक अपील कर रहा है कि वे विदेशों में जाने के लिए गैर-कानूनी 'डंकी' रास्ते का इस्तेमाल करके अपनी जान जोखिम में न डालें। 33 सेकेंड के इस क्लिप में युवक एक कमरे में बिस्तर पर लेटा हुआ और हाथ जोड़े हुए दिखाई दे रहा है। वह अपने साथ हुई कथित मारपीट के बारे में बता रहा है और लोगों को बार-बार वही गलती न करने की चेतावनी दे रहा है। इस वीडियो ने सोशल मीडिया पर चिंता पैदा कर दी है। क्लिप के साथ किए गए पोस्ट में दावा किया गया है कि 'डंकी' रास्ते से यात्रा करने वाले कई भारतीय युवक अभी मैक्सिको में फंसे हुए हैं। हालांकि, वीडियो में दिख रहे युवक की पहचान और सही जगह का खुलासा नहीं किया गया है, और सोशल मीडिया पोस्ट में किए गए दावों की इंडिया टीवी स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं कर सका है। वीडियो में युवक कैमरे से सीधे बात करते हुए काफी डरा हुआ और परेशान दिख रहा है। उसका दावा है कि वह गैर-कानूनी 'डंकी' रास्ते से मैक्सिको गया था और बाद में उस नेटवर्क से भागने की कोशिश की। उसके अनुसार, भागने की कोशिश करने पर उसके साथ मारपीट की गई और उसे इतनी बुरी तरह पीटा गया कि अब वह ठीक से चल भी नहीं पा रहा है। उसने बार-बार लोगों से उसी रास्ते पर न चलने की अपील की और उन एजेंटों पर भरोसा न करने की चेतावनी दी जो गैर-कानूनी तरीकों से प्रवासियों को सुरक्षित रूप से विदेशों में ले जाने का वादा करते हैं। युवक ने वीडियो रिकॉर्ड कर रहे व्यक्ति की ओर भी इशारा किया और दावा किया कि वही व्यक्ति उसे उस जगह पर लाया था। उसने माना कि उस रास्ते को चुनकर उसने गलती की और कहा कि उसे इसका खामियाजा भुगतना पड़ा है। वीडियो का अंत युवक के हाथ जोड़ने और माफी मांगने के साथ होता है, जिसमें वह दूसरों से ऐसे गैर-कानूनी माइग्रेशन नेटवर्क से दूर रहने की भावुक अपील करता है। 'डंकी' रूट का मतलब गैर-कानूनी तरीके से माइग्रेशन (प्रवास) के सफर से है, जिसमें लोग कानूनी तरीकों के बजाय कई देशों और अनौपचारिक रास्तों से होते हुए अपनी मंजिल तक पहुंचने की कोशिश करते हैं। जो लोग अमेरिका जाना चाहते हैं, उनके लिए ऐसे सफर में मेक्सिको समेत कई देशों से होकर गुजरना पड़ सकता है। माइग्रेंट्स एक जगह से दूसरी जगह जाते समय एजेंटों या बिचौलियों को अलग-अलग चरणों में पैसे दे सकते हैं। एजेंट अक्सर इस सफर को किसी विदेशी देश तक पहुंचने का आसान तरीका बताते हैं। असल में, माइग्रेंट्स को सफर के दौरान गंभीर खतरों का सामना करना पड़ सकता है, जैसे शोषण, जबरन वसूली, हिंसा, हिरासत और सुरक्षा को खतरा। 'डंकी' रूट के सफर का आर्थिक बोझ भी बहुत ज्यादा हो सकता है। खबरों के मुताबिक, ऐसे नेटवर्क के जरिए यात्रा करने का खर्च लगभग 20 लाख रुपये से 70 लाख रुपये तक हो सकता है, और पैसे अक्सर सफर के अलग-अलग चरणों में दिए जाते हैं। इतनी बड़ी रकम खर्च करने के बावजूद, नेटवर्क में शामिल होने के बाद माइग्रेंट्स का अपनी यात्रा पर बहुत कम नियंत्रण रह जाता है।

दिल्ली में 15 अगस्त को बारिश होगी या मौसम रहेगा साफ?

नई दिल्ली। दिल्ली, नोएडा समेत पूरे एनसीआर में शुक्रवार को भारी हो रही है। मौसम विभाग के मुताबिक, बारिश का दौर आज रात जारी रहेगा। दोपहर से लेकर रात तक कई जगहों पर हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 33-35C के बीच रहने की उम्मीद है। मौसम विभाग (IMD) के अनुसार, 15 अगस्त को लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान दिल्ली के आसमान में बादल छाए रहने और हल्की बारिश होने की संभावना है। विभाग द्वारा जारी मौसम के पूर्वानुमान से पता चलता है कि शनिवार को सुबह 4 बजे से 6 बजे के बीच बारिश की 70 प्रतिशत संभावना है। इस दौरान राष्ट्रीय राजधानी में लगभग 5 मिमी बहुत हल्की से हल्की बारिश होने की उम्मीद है। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार यानी 15 अगस्त सुबह 6 बजे से 9 बजे के बीच हल्की बारिश होने का अनुमान है, जिसकी संभावना 60 प्रतिशत है। इस दौरान भी लगभग 5 मिमी बारिश होने की उम्मीद है। दोपहर से शाम के समय भी हल्की बारिश हो सकती है। इस दौरान लगभग 3 मिमी बारिश होने की उम्मीद है।

बालोतरा में क्रूड ऑयल चोरी का सनसनीखेज खुलासा, 6 महीने रेकी कर HPCL पाइपलाइन में लगा दिया वाल्व

राजस्थान के बालोतरा जिले की पचपदरा तहसील से गुजर रही HPCL रिफाइनरी की क्रूड ऑयल पाइपलाइन में सेंधमारी कर तेल चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का गुजरात ATS और राजस्थान पुलिस ने पर्दाफाश किया है। कार्रवाई में गिरोह से जुड़े कुल 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से 7 आरोपियों को बालोतरा के टापरा गांव के पास स्थित एक ढाबे से पकड़ा गया, जबकि एक आरोपी को गुजरात के कुवाडवा के पास से हिरासत में लिया गया। ATS के अनुसार आरोपियों ने पचपदरा तहसील के कालूड़ी गांव के पास बंजर जमीन में करीब 4 फीट गहरा गड्ढा खोदकर एचपीसीएल की क्रूड ऑयल पाइपलाइन को पंचर किया और उसमें अवैध वाल्व लगा दिया। इसके जरिए पाइपलाइन से क्रूड ऑयल निकालकर टैंकरों में भरकर बेचने की योजना बनाई गई थी। मामले का खुलासा तब हुआ जब गुजरात एटीएस को गिरोह द्वारा चोरी किए गए क्रूड ऑयल को अहमदाबाद-राजकोट हाईवे पर बेचने की सूचना मिली। कार्रवाई के दौरान कुवाडवा के पास सोखड़ा गांव जाने वाले रास्ते से जयसिंह चुडास्मा को हिरासत में लिया गया। उसके कब्जे से क्रूड ऑयल बरामद हुआ। पूछताछ में उसने यह क्रूड ऑयल बालोतरा जिले के कालूड़ी गांव से लाने की बात बताई। इसके बाद गुजरात एटीएस ने राजस्थान पुलिस की मदद से टापरा गांव के पास एक ढाबे पर दबिश देकर गिरोह से जुड़े अन्य सात आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने करीब एक सप्ताह के दौरान 10-10 टन क्षमता वाले दो टैंकर क्रूड ऑयल चोरी कर राजस्थान के ब्यावर निवासी गोविंद सिंह चौहान को बेचने की बात कबूली है। मामले में आरोपियों के खिलाफ जसोल थाने में प्रकरण दर्ज किया गया है। जांच में यह भी सामने आया कि गिरोह के सदस्य करीब 6 महीने से HPCL की पाइपलाइन की रेकी कर रहे थे। मुख्य आरोपी घनश्याम सोनी पाइपलाइन की लोकेशन और गतिविधियों की जानकारी जुटाने के लिए जालोर जिले के जसवंतपुरा निवासी और वर्तमान में अहमदाबाद में रह रहे मुकेश मेघवाल के संपर्क में था। बताया जा रहा है कि रेकी के बाद गिरोह के कुछ सदस्य करीब एक महीने से टापरा गांव के पास स्थित ढाबे पर ठहरे हुए थे।

दिल्ली हाई अलर्ट पर, छावनी में तब्दील राजधानी, 25,000 जवान चप्पे चप्पे पर रख रहे हैं नजर

स्वतंत्रता दिवस को लेकर दिल्ली आज हाई अलर्ट पर है, पूरी राजधानी छावनी में तब्दील हो चुकी है।

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर देश की राजधानी दिल्ली छावनी में तब्दील हो चुकी है और हाई अलर्ट पर है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए शहर भर में 25,000 से ज्यादा पुलिस और अर्धसैनिक बल के जवान तैनात किए गए हैं, जबकि लाल किले के चारों ओर सुरक्षा का कई स्तरों वाला घेरा बनाया गया है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। लाल किले के आसपास सुरक्षा के कड़े इंतज़ाम किए गए हैं, जिसमें 1,000 से ज्यादा CCTV कैमरे और AI-आधारित वीडियो एनालिटिक्स शामिल हैं। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) राजा बंथिया ने PTI को बताया, "पिछले साल राजधानी में हुई घटनाओं को ध्यान में रखते हुए हमने सुरक्षा के व्यापक इंतज़ाम किए हैं।"

सुरक्षा योजना में एंट्री पॉइंट्स और लाल किले के आसपास कई स्तरों पर चेकिंग और स्क्रीनिंग शामिल है। किसी भी संभावित खतरे या आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए एक खास एंटी-टेरर रिस्पॉन्स सिस्टम भी तैयार किया गया है।

लाल किले और अन्य संवेदनशील इलाकों समेत शहर भर में रणनीतिक जगहों पर दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों के 25,000 से ज्यादा जवान तैनात किए गए हैं।

पहले से तालमेल बिठाने, मॉक ड्रिल और पहले से सूचना देने का काम किया गया है ताकि सभी एजेंसियां तैयार रहें और किसी भी आपात स्थिति में मिलकर कार्रवाई की जा सके।"

इलाके पर कड़ी नज़र रखने के लिए लाल किले के अंदर और बाहर 1,000 से ज्यादा CCTV कैमरे लगाए गए हैं।

कैमरे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-आधारित वीडियो एनालिटिक्स वाले सिस्टम से जुड़े हैं और एक खास कंट्रोल रूम से लाइव फ़ीड की निगरानी की जा रही है।

सर्विलांस सिस्टम सुरक्षा कर्मियों को संदिग्ध गतिविधियों, भीड़ से जुड़ी समस्याओं और कानून-व्यवस्था से जुड़ी अन्य स्थितियों का रियल-टाइम में पता लगाने में मदद करेगा, जिससे रिस्पॉन्स टीमें तुरंत कार्रवाई कर सकेंगी।

अगर कानून-व्यवस्था से जुड़ी कोई स्थिति बनती है, तो तुरंत कार्रवाई की जाएगी। रिस्पॉन्स टीमें तैयार हैं और रणनीतिक जगहों पर तैनात हैं। सुरक्षा कर्मी लाल किले के आसपास चेकिंग और स्क्रीनिंग कर रहे हैं।

पुलिस और खास रिस्पॉन्स टीमें शहर भर में ज़रूरी जगहों, सार्वजनिक स्थानों, बाज़ारों, ट्रांसपोर्ट हब और दूसरी संवेदनशील जगहों पर कड़ी नज़र रख रही हैं।

सुरक्षा एजेंसियां आपस में अच्छा तालमेल बनाए हुए हैं और जानकारी साझा कर रही हैं ताकि किसी भी उभरते खतरे से तेज़ी से और मिलकर निपटा जा सके।

कर्मचारियों को आपातकालीन स्थिति में कार्रवाई करने के तरीकों से परिचित कराने के लिए मॉक ड्रिल और पहले से तालमेल बिठाने वाले अभ्यास भी किए गए हैं।

स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को केवल लाल किले तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि राजधानी के प्रमुख प्रवेश मार्गों, रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों, बाजारों और भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों पर भी निगरानी बढ़ा दी गई है। सुरक्षा एजेंसियों की ओर से आने-जाने वाले लोगों और वाहनों पर विशेष नजर रखी जा रही है।

लाल किले की ओर जाने वाले मार्गों पर जांच प्रक्रिया को सख्त किया गया है। संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति की पहचान होने पर तत्काल संबंधित दल को सूचना देने की व्यवस्था की गई है।

सुरक्षा व्यवस्था में तैनात जवानों को किसी भी असामान्य गतिविधि पर तुरंत प्रतिक्रिया देने के निर्देश दिए गए हैं। समारोह के दौरान कुछ मार्गों पर यातायात प्रतिबंध और मार्ग परिवर्तन लागू किए गए हैं, ताकि वीआईपी आवाजाही के साथ आम लोगों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा सके।

लखनऊ में महिला ने पूर्व पति की तवे से हमला कर की हत्या, पुलिस ने हिरासत में लिया

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ में एक महिला ने अपने पूर्व पति की तवे से हमला करके हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक युवक अपने पूर्व पत्नी के घर के बाहर खड़ा था। दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इसके बाद महिला ने तवे से युवक के सिर पर हमला कर दिया। इस घटना में युवक को गंभीर चोट लग गई। आनन-फानन में उसे जानकीपुरम के एक ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां से बाद में केजीएमयू रेफर कर दिया गया। हालांकि युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक आरोपी महिला को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने बताया कि पीड़ित के परिजनों की तरफ से शिकायत नहीं मिली है। शिकायत मिलने के बाद मामला दर्ज किया जाएगा। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि जानकीपुरम इलाके में एक 30 वर्षीय महिला ने कथित तौर पर अपने पूर्व पति की हत्या कर दी। यह घटना तब हुई जब वह महिला के घर आया था और दोनों के बीच बहस हो गई। पुलिस के अनुसार, यह घटना गुरुवार को हुई जब आशियाना इलाके में रहने वाले सोनी, जानकीपुरम के कौशल्या गार्डन में अपनी पूर्व पत्नी तपस्या सिंह के घर गए थे। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। इसके अलावा आरोपी तपस्या सिंह को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर CM धामी का राहुल गांधी पर हमला, बोले- 'देश सब देख रहा है'

हरिद्वार। उत्तराखंड के हरिद्वार में शुक्रवार को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने राहुल गांधी की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर की गई कथित भाषा पर सवाल उठाते हुए कहा कि नेता प्रतिपक्ष जैसे संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति से ऐसी भाषा की उम्मीद नहीं की जा सकती। धामी ने कहा कि देश की 140 करोड़ जनता राहुल गांधी के शब्दों, संस्कारों और उनकी सोच को देख रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राहुल गांधी जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, उससे ऐसा लगता है कि वह निराशा या कुंठा से घिरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री देश के 140 करोड़ लोगों के प्रतिनिधि हैं और उनके पद की एक गरिमा है। किसी सभ्य लोकतंत्र में प्रधानमंत्री के खिलाफ ऐसी भाषा को स्वीकार नहीं किया जा सकता। सीएम धामी ने कहा कि जब किसी व्यक्ति के पास न नीति होती है, न नीयत और न ही कोई ठोस मुद्दा बचता है, तो वह इसी तरह की अभद्र भाषा और गाली-गलौज पर उतर आता है। उन्होंने कहा कि जब हार सामने दिखाई देने लगती है, तो इस तरह की बयानबाजी और बढ़ जाती है। कांग्रेस नेताओं पर निशाना साधते हुए धामी ने कहा कि उन्हें याद रखना चाहिए कि देश की जनता उनके शब्दों के साथ-साथ उनके संस्कार और उनकी सोच को भी देख रही है। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के महत्व पर बात करते हुए मुख्यमंत्री धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक प्रदीप सिंह के लिए मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर - 302012 (राजस्थान) से मुद्रित व 1053, सोसाइटी नगर, शहीद भगत सिंह कॉलोनी, पाली, राजस्थान - 306401 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा) समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार I RNI No. - RJMUL/26/A4290 प्रबंध सम्पादक - प्रदीप सिंह, मो . 9983831415